हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 341 शुक्रवार 04 अप्रैल 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

सांसद अनुराग ठाकुर पर आगबबूला मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, मैं झुकूंगा नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को राज्यसभा में पुष्पा फिल्म का डायलॉग बोलकर कहा कि वे झुकने वाले नहीं है। दरअसल, खरगे वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान बुधवार को भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा लगाए गए आरोपों पर पलटवार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद ठाकुर ने उन पर जो बेबुनियाद आरोप लगाए हैं, अगर वे आरोप सही साबित होते हैं, तब वह खुद इस्तीफा दे दूंगा। खरगे ने कहा, 'अनुराग ने कल दूसरे सदन (लोकसभा) में मुझ पर जो आरोप लगाए, उनसे मेरी प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ है।' उन्होंने कहा कि वह भाजपा के इसतरह के हथकंडों के आगे नहीं झुकने वाले है। खरगे ने कहा, 'अगर भाजपा के लोग मुझे डराकर झुकाना चाहते हैं, तब मैं कभी नहीं झुकूंगा। मैं टूट जाऊंगा लेकिन झुकूंगा नहीं। बता दें कि वक्फ बिल पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद ठाकुर ने आरोप लगाया था कि खरगे ने वक्फ की जमीन हड़पी है। इस बयान पर खरगे अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने बयान के लिए भाजपा सांसद से माफी मांगने की भी मांग की है। उन्होंने कहा, मेरा जीवन हमेशा एक खुली किताब की तरह रहा है। यह संघर्षों और लड़ाइयों से भरा रहा है। मैंने हमेशा सार्वजनिक जीवन में सर्वोच्च मूल्यों को बरकरार रखा है। राजनीति में करीब 60 साल बिताने के बाद, मैं ऐसी उम्मीद नहीं कर सकता हूं। कल, अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में मुझ पर पूरी तरह से झूठे और निराधार आरोप लगाए।

वित्त वर्ष 26-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली । भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 26 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। इसकी वजह चक्रीय रिकवरी और मार्केट का मजबूत प्रदर्शन करना है। यह जानकारी गुरुवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। चक्रीय रिकवरी का मतलब उस चरण से है, जहां अर्थव्यवस्था धीमेपन से उभरती है और इस दौरान आर्थिक गतिविधि, कंज्यूमर खर्च और बिजनेस निवेश में बढ़त देखी जाती है। लाइट हाउस कैंटन की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में भारत में मजबूत आय वृद्धि देखी गई है और इस दौरान निफ्टी इंडेक्स ने 20 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की है। जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी, विकास का अगला चरण सरकारी पूंजीगत व्यय, मध्यम वर्ग को टैक्स में दी गई छूट और बेहतर उपभोक्ता मांग जैसे प्रमुख कारकों पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट में कहा गया कि इन कारकों से 2025 में आय में सुधार और बाजार को समर्थन मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के निवेश-आधारित विस्तार ने आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं, सरकार राजकोषीय अनुशासन पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखे हुए है, जिससे निजी क्षेत्र के निवेश में तेजी आने की उम्मीद है।

पीएम मोदी की वजह से ही हमें सौभाग्यशाली दिन देखने को मिला : कंगना रनौत

नई दिल्ली । सांसद कंगना रनौत ने आज संसद के बाहर संवाददाताओं से कहा कि वक्फ संशोधन विधेकक के जरिए भ्रष्टाचार को खत्म किया जा रहा, जो हमारे देश को दीमक की तरह खा रहा है। पीएम मोदी की वजह से ही हमें सौभाग्यशाली दिन देखने को मिला है।इस बिल के जरिए सीधा संदेश यही दिया गया है कि कोई भी व्यक्ति, संस्था या धार्मिक संगठन कानून से ऊपर नहीं हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद रनौत ने प्रस्तावित कानून की सराहना की और कहा कि बिल का उद्देश्य भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासन में सुधार करना है।

40 हजार कश्मीरी पंडितों को उनकी जमीन वापस नहीं मिली, सरकार को उनकी चिंता करनी चाहिए: संजय राउत

नई दिल्ली । उद्धव ठाकरे की शिवसेना के राज्यसभा संसद संजय राउत ने कहा कि वक्फ बिल ध्यान भटकाने की कोशिश है। कल ही डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इस पर चर्चा होनी चाहिए थी। लेकिन इस मुद्दे को गौण कर दिया गया। और सारा मुद्दा हिंदू-मुसलमान पर हो गया। संजय राउत ने आगे कहा कि जब भी बेरोजगारी, मंहगाई का मुद्दा आता है तो धार्मिक मुद्दा उठता है और 2-3-5 दिन आप चर्चा कर लेते हो। सत्ता पक्ष पर सवाल उठाते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि आपको मुस्लिमों की चिंता कब से होनी लगी। आप लोग मुसलमानों को चोर बोलते हो, बोलते हो कि मुस्लिम आपकी जमीन छीन लेंगे, गले की चेन छीन लेंगे। गाय-बैल खोल लेंगे। मुसलमान देशद्रोही हैं, टेरेरिस्ट है। आप लोग मुसलमानों की संपत्ति के रखवाले बने हो। संजय राउत की भाषण के दौरान नारेबाजी होने पर उन्होंने कहा मुझे मत सिखाइए। मैं बहुत पढ़-लिखकर आया हूं यहां। मैंने हिन्दुत्व भी खूब पढ़ा है। संजय राउत ने आगे कहा कि 2025 के पहले की मस्जिद-मदरसों को हाथ नहीं लगाने की बात कही जा रही है। लेकिन आप (केंद्र सरकार) जमीन खरीदने-बेचने की बात पर आ गए हैं। ये आप करके ही रखेंगे। अयोध्या में 13 हजार एकड़ जमीन का घोटाला हुआ। केदारनाथ में 300 किलो सोना गायब हो गया। आप अपनी जमीनों की रक्षा नहीं कर पा रहे, मुस्लिमों की जमीन की रक्षा की बात करते हो। संजय राउत ने आगे कहा कि डिफेंस की जमीनों की रक्षा आप नहीं कर पा रहे हो। आपको अगर जमीन की चिंता है तो कश्मीर के हमारे पंडित भाई हैं, 40 हजार कश्मीरी पंडितों को उनकी जमीन वापस नहीं मिली।

वक्फ संशोधन विधेयक: रिजिजू ने किया राज्यसभा में पेश, विपक्ष का कड़ा विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को राज्यसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश कर दिया। लोकसभा में 12 घंटे से अधिक लंबी बहस के बाद पारित हुए इस विधेयक पर अब राज्यसभा की मुहर लगनी बाकी है। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि यह विधेयक आसानी से पास हो जाएगा, जबकि विपक्ष ने इसे रोकने के लिए पूरी ताकत झोंकने का ऐलान किया है।

विधेयक पेश करते हुए किरेन रिजिजू ने बताया कि देश में 8.72 लाख वक्फ संपत्तियां हैं, जिनकी आय अरबों रुपये में होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि 2006 में सच्चर समिति ने 4.9 लाख वक्फ संपत्तियों की आय 12,000 करोड़ रुपये आंकी थी, जिससे आज की आय का अंदाजा लगाया जा सकता है। रिजिजू ने कहा कि राज्य सरकारों, अल्पसंख्यक आयोगों और वक्फ बोर्डों से बातचीत के बाद ही यह विधेयक लाया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के माध्यम से विधेयक पर व्यापक चर्चा हुई थी। रिजिजू ने विपक्ष से इस विधेयक का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि यह किसी एक वर्ग के खिलाफ नहीं है, बल्कि शिया और सुन्नी समेत सभी मुस्लिम समुदायों को एकजुट करने वाला कदम है।

जोरदार हंगामें के बीच विपक्ष का विरोध

विपक्षी दलों ने इस विधेयक को मुस्लिम विरोधी बताते हुए संसद में जोरदार हंगामा किया। उनका कहना है कि सरकार वक्फ संपत्तियों को नियंत्रित करने और अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। लोकसभा में विपक्ष ने इस विधेयक का पुरजोर विरोध किया था, लेकिन सरकार ने बहुमत के दम पर इसे पारित करा लिया।

रिजिजू का जवाब

विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए किरेन रिजिजू ने कहा, यह कहना गलत है कि हिंदुस्तान में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। मैं खुद अल्पसंख्यक हूं और कह सकता हूं कि भारत से ज्यादा अल्पसंख्यक कहीं सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार हर अल्पसंख्यक समुदाय, यहां तक कि छोटे पारसी समुदाय की भी रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्यसभा में यदि यह विधेयक पारित हो जाता है, तो यह कानून का रूप ले लेगा और वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा। हालांकि, विपक्ष का विरोध जारी है और आने वाले दिनों में इस पर और राजनीतिक सरगर्मियां देखने को मिल सकती हैं।

बैंकॉक में पीएम का हुआ जोरदार स्वागत, प्रवासियों ने लगाए मोदी मोदी के नारे

पीएम मोदी बोले- भारत और थाईलैंड के बंधन को मजबूत करने उत्सुक हूं

बैंकॉक (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार को बैंकॉक पहुंच गए। उनका भारतीय प्रवासियों ने मोदी मोदी के नारे लगातार स्वागत किया। थाईलैंड के उप-प्रधानमंत्री सूरिया जुंगरुंगरेंगकिट समेत कई अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर मोदी का स्वागत किया।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि मैं बैंकॉक, थाईलैंड में उतरा। आगामी आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने, मैं भारत और थाईलैंड के बीच सहयोग के बंधन को मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं।

पीएम मोदी 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने थाईलैंड पहुंचे हैं। वह 4 अप्रैल यानी शुक्रवार को क्षेत्रीय नेताओं के साथ सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे। पीएम मोदी भारत-थाईलैंड संबंधों को मजबूत करने के लिए थाई नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे।

बैंकॉक में आगमन के बाद, पीएम मोदी

भारतीय प्रवासियों के साथ मुलाकात कर बातचीत करेंगे, जिसमें वह भारत और थाईलैंड के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक संबंधों को रेखांकित करेंगे। इससे पहले अपने प्रस्थान वक्तव्य में पीएम मोदी ने कहा कि थाई पीएम पैतोंगतार्न शिनवात्रा के निमंत्रण पर मैं आज थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा और 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने रवाना हो रहा हूं। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में बिम्सटेक बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय विकास, संपर्क, आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए एक अहम मंच के रूप में उभरा है। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण, भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र बिम्सटेक के केंद्र में है।

बता दें बिम्सटेक एक क्षेत्रीय समूह है जिसमें बंगाल की खाड़ी क्षेत्र के सात सदस्य देश शामिल हैं। दक्षिण एशिया से पांच देश बांग्लादेश, भूटान, भारत, नेपाल और श्रीलंका और दक्षिण पूर्व एशिया से दो म्यांमार और थाईलैंड शामिल हैं। यह समूह दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच एक पुल के रूप में कार्य करता है। भारत इसका सबसे बड़ा और सबसे प्रभावशाली सदस्य है, जो इसके एजेंडे को आकार देता है और कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देता है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अपनी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करने को तैयार

30 जज अब तक संपत्तियों की जानकारी दे चुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति की जानकारी सार्वजनिक करने का बड़ा फैसला किया है। बताया जा रहा हैं कि सीजेआई यानी भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने सभी जजों को इस तरह के निर्देश दिए हैं। फिलहाल, इसके तकनीकी पहलुओं पर विचार हो रहा है। खास बात है कि यह फैसला तब आया है, जब जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर कैश मिला था।

सुप्रीम कोर्ट के सभी न्यायाधीशों ने फैसला किया है कि वे अपनी संपत्ति का ब्यौरा देने को तैयार है। ये पूरी जानकारी सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। 1 अप्रैल को ही सभी न्यायाधीशों की बैठक हुई थी। हालांकि, पहले ही सीजेआई खन्ना सहित कई न्यायाधीश संपत्तियों की जानकारी अदालत को दे चुके हैं, लेकिन आंकड़े सार्वजनिक अब तक नहीं किए गए थे। फिलहाल, ये आंकड़े कब तक सामने आएंगे, यह भी तय नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, 30 जज अब तक संपत्तियों की जानकारी दे चुके हैं।

इसमें सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई, जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस अभय एस ओक, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जेके माहेश्वरी, जस्टिस बीवी नागरत्न, जस्टिस एम एम सुंद्रेश, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस पीएस नरसिम्हा, जस्टिस सुधांशु धूलिया, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस दीपांकर दत्ता, जस्टिस पंकज मित्तल, जस्टिस संजय करोल, जस्टिस संजय कुमार, जस्टिस एहसानुद्दीन अमानुल्लाह, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस राजेश बिंदल, जस्टिस अरविंद कुमार, जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा, जस्टिस केवी विश्वनाथन, जस्टिस उज्जल भुइयां, जस्टिस एसवी भट्टी, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा, जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, जस्टिस संदीप मेहता, जस्टिस पीबी वराले, जस्टिस आर महादेवन, जस्टिस मनमोहन शामिल है।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर आरोप, चीन हमारी जमीन पर कब्जा करके बैठा

लद्दाख के उपराज्यपाल का दावा, एक इंच जमीन पर भी कब्जा नहीं

नई दिल्ली । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को भारत-चीन के राजनयिक संबंधों की 75वीं सालगिरह के जश्न को लेकर मोदी सरकार की घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि चीन हमारे 4 हजार वर्ग किमी इलाके पर कब्जा करके बैठा है, लेकिन मुझे देखकर आश्चर्य हुआ कि हमारे विदेश सचिव (विक्रम मिस्री) चीनी राजदूत के साथ केक काट रहे थे। गुरुवार को लोकसभा में शून्यकाल के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हम सामान्य स्थिति के खिलाफनहीं हैं, लेकिन उससे पहले हमें अपनी जमीन वापस मिलनी चाहिए। मुझे पता चला कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने चीनी राजदूत को चिट्ठी लिखी है। चीनी राजदूत भारत के लोगों को बता रहे हैं कि उन्हें चिट्ठी लिखी गई। मोदी सरकार की विदेश नीति पर राहुल गांधी ने कहा कि एक ओर आपने चीन को हमारी जमीन दे दी और दूसरी ओर अमेरिका ने हम पर टैरिफ (जैसे को तैसा टैक्स) लगा दिया। इस टैक्स से देश की ऑटो इंडस्ट्री, फार्मास्यूटिकल्स और एग्रीकल्चर को पूरी तरह से तबाह होगी। राहुल गांधी ने कहा कि एक बार किसी ने इंदिरा गांधी से पूछा कि विदेश नीति के मामले में आप बाएं झुकती हैं या दाएं। इस पर उन्होंने जवाब दिया की मैं बाएं या दाएं नहीं झुकती। मैं भारतीय हूं और सीधी खड़ी हूं। भाजपा और आरएसएस की इस मामले में सोच अलग है। जब पूछा जाता है, तब वे कहते हैं नहीं, नहीं, हम हर विदेशी के सामने अपना सिर झुकाते हैं। यह उनके इतिहास में है, हम जानते हैं। सरकार को जवाब देना चाहिए कि वह अमेरिकी टैरिफ्पर क्या कर रही है। वहीं लद्दाख के एलजी ने राहुल गांधी के दावे को गलत बताया था राहुल गांधी ने 2022 में लद्दाख दौरे पर कारगिल में रैली की थी। वहां उन्होंने दावा किया था कि चीन ने भारत की हजारों किमी जमीन पर कब्जा किया है। इस पर लद्दाख के उपराज्यपाल (एलजी) ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) बीडी मिश्रा ने कहा था कि चीन ने भारत की एक वर्ग इंच जमीन पर भी कब्जा नहीं किया है। उन्होंने कहा था कि 1962 (भारत-चीन युद्ध) में जो कुछ भी हुआ, उस पर बात करने से कोई फायदा नहीं। आज सीमा की आखिरी इंच जमीन भी हमारे कब्जे में है।

रक्षा मंत्री ने माउंट एवरेस्ट और माउंट कंचनजंघा के लिए अभियान को हरी झंडी दिखाई

-अभियानों को सशस्त्र बलों की अदम्य भावना को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक से माउंट एवरेस्ट और माउंट कंचनजंघा के लिए अभियान को हरी झंडी दिखाई। इस अभियान में भारतीय सेना के 24 पर्वतारोही 10 एनसीसी कैडेट्स के साथ माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करेंगे। इसी तरह भारतीय सेना और नेपाली सेना की संयुक्त टीम माउंट कंचनजंघा की चढ़ाई के लिए रवाना हुई है।

भारतीय सेना के माउंट एवरेस्ट अभियान में 10 एनसीसी कैडेट्स समेत 34 पर्वतारोही शामिल हैं, जो लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज जोशी के नेतृत्व में पारंपरिक साउथ कोल रूट का अनुसरण करेंगे। यह टीम माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) पर चढ़ाई करके तिरंगा फहराएगी। इसी तरह संयुक्त भारत-नेपाल अभियान का उद्देश्य माउंट कंचनजंघा पर चढ़ना है, जिसमें भारतीय सेना के 12 पर्वतारोही और नेपाली सेना के छह पर्वतारोही शामिल होंगे। माउंट कंचनजंघा (8,586 मीटर) के लिए टीम का नेतृत्व भारतीय सेना के कर्नल सरफराज सिंह करेंगे।

माउंट एवरेस्ट पर संयुक्त एनसीसी अभियान का नेतृत्व कर्नल अमित बिष्ट करेंगे। इस दल में पांच छात्राएं, पांच छात्र कैडेट्स, चार अधिकारी और 11 स्थायी प्रशिक्षक शामिल होंगे। इस महीने शुरू होने वाले इस अभियान का लक्ष्य मई तक अपने-अपने शिखरों पर पहुंचना है। रक्षा मंत्री ने पर्वतारोहियों से

बातचीत के दौरान उनके साहस, समर्पण और दृढ़ संकल्प को सराहा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस अभियान में शामिल युवा अन्य युवाओं को प्रेरित करने के साथ ही उच्च ऊंचाई वाले पर्वतारोहण में भारत का नेतृत्व करेंगे।

इन अभियानों को सशस्त्र बलों के असाधारण कौशल और अदम्य भावना को प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया है। साथ ही उच्च ऊंचाई वाले पर्वतारोहण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए गए हैं। इनसे भावी पीढ़ियों को साहस, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता की भावना के साथ अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने की उम्मीद है। भारतीय सेना के इस कार्यक्रम में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, भारत में नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर पी शर्मा, नेपाल का एक प्रतिनिधिमंडल और अन्य वरिष्ठ नागरिक और सैन्य अधिकारी शामिल हुए।

चीन-भारत साझेदारी का सही समय, ट्रंप के टैरिफ के बाद जिनपिंग ने पीएम मोदी को भेजा लेटर

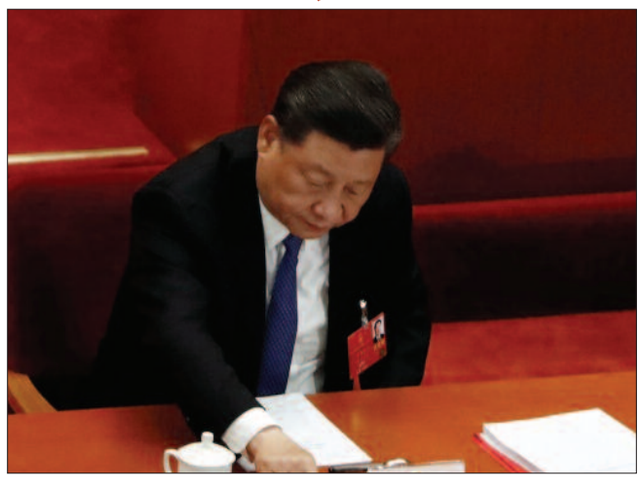

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की तरफ से जहां दुनियाभर के देशों पर टैरिफ का ऐलान किया गया है। इसका असर भारत, चीन समेत कई यूरोपीय देशों पर सीधा पड़ेगा। वहीं अब ट्रंप के इस कदम के बाद बारी उनके कट्टर दुश्मन शी जिनपिंग की थी। चीन ने एक बड़ा दांव खेला है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा है कि ये चीन और भारत दोनों के साझेदार बनने का सही समय है। शी जिनपिंग ने कहा है कि दोनों देशों को अपनी दोस्ती को औ मजबूत करना चाहिए। चीन के राष्ट्रपति ने कहा है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच सहयोग की बहुत बड़ी क्षमता है। सवाल ये है कि चीन का इरादा क्या है और इस बाबत भारत को क्या रुख अपनाना चाहिए? चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत को पत्र लिखा है। चीन की तरफ से भारत को कूटनीतिक संबंध के 75 वर्ष होने पर पत्र लिखा गया है।

कई बार ये कहा जाता है कि चीन की कथनी और करनी में अंतर होता है। चीन की बातें मत सुनो चीन जमीन पर क्या कर रहा है, उस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। दरअसल, भारत डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से निपटने के लिए एक के बाद एक कई कूटनीतिक कदम उठा रहा है। दूसरी तरफ चीन चाश्नी में भरे शब्दों का इस्तेमाल कर भारत को अपनी ओर खींचने की कोशिश कर रहा है। लेकिन आपको याद रहे कि भारत ने ये साफ कर दिया है कि जब तक सीमाएं शांत नहीं होती, तब तक ये रिश्ता आगे नहीं बढ़ सकता। भारत अमेरिका और चीन के बीच तनाव में कोई जल्दबाजी बिल्कुल नहीं दिखा रहा है। भारत वेट एंड वॉच की नीति अपना रहा है। भारत जापान, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय देशों के साथ रिश्तों को और मजबूत कर रहा है। चीन पर निर्भरता को कम कर अपनी आत्मनिर्भरता को और बढ़ा रहा है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट में भारत एक बहुत बड़ी शक्ति के रूप में उभरने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। चीन भारत व्यापार अब तक चीन के ही पक्ष में रहा है।

चीन के राजदूत झू फियांग ने कहा है कि व्यापार असंतुलन को ठीक करने के लिए भारत से ज्यादा प्रोडक्ट्स आयात करेंगे। बता दें कि अभी भारत चीन से ज्यादा आयात करता है। चीन, जापान और दक्षिण कोरिया ने हाथ मिलाया- चीन, जापान और दक्षिण कोरिया ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की बड़ी तैयारियां शुरू कर दी हैं। ये तीनों देश ट्रम्प के 3 अप्रैल से लागू होने वाले 25त्न ऑटो टैरिफ से मुख्य रूप से प्रभावित होने वाले हैं। लेकिन इस मौके का फायदा उठाकर भारत को व्यापार संतुलन बनाने और कूटनीति को अपनी दिशा में आगे बढ़ाने का बहुत सुनहरा मौका मिल चुका है। चीन भारत को अमेरिका से दूर करना चाहता है। लेकिन चीन की इस चाल को भारत अच्छी तरह से समझता है। अमेरिका से रणनीतिक रिश्ते मजबूत करते हुए भारत ने चीन से सतर्क दूरी बनाई हुई है।

वक्फ बिल- यूपी में हाईअलर्ट, बर्क बोले-सड़क पर उतरेंगे

50 जिलों में फ्लैग मार्च; मौलाना रजवी बोले-सपा ने सबसे ज्यादा वक्फ की जमीनें हड़पीं

लखनऊ। लोकसभा में बुधवार को 12 घंटे की चर्चा के बाद वक्फ संशोधन बिल पास हो गया। आज यह बिल राज्यसभा में पेश हुआ। बिल को लेकर वाराणसी, मथुरा, आगरा, कानपुर सहित पूरे यूपी में आज दूसरे दिन भी हाई अलर्ट है। बुधवार रात में कई शहरों में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। गुरुवार को 50 से अधिक जिलों में फोर्स गश्त कर रही है। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। इधर, संभल से सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कहा- हमने इस बिल का विरोध किया। आने वाले समय में लोग इस इतिहास और बिल को पारित करने के तरीके को माफ नहीं करेंगे। अगर आप किसी खास समुदाय को निशाना बनाएंगे तो देश का विकास नहीं होगा। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि इस बिल के आने से मुसलमानों को फायदा

होगा। सपा ने सबसे ज्यादा वक्फ की जमीनों को नुकसान पहुंचाया। सपा के समय में वक्फ मंत्री रहे आजम खान ने सबसे ज्यादा वक्फ की जमीनें खुर्दबुर्द (हड़पी) कीं। अब यही लोग सबसे ज्यादा विरोध कर रहे हैं।बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, 1986 में मुस्लिम महिला संरक्षण अधिनियम पास हुआ था। इसमें कहा गया था कि अगर तलाकशुदा महिला को देखने वाला कोई नहीं है तो उन्हें वक्फ बोर्ड से महाना भत्ता दिलवाया जाएगा। 2 साल बाद मैंने इस पर प्रश्न किया कि किस वक्फ बोर्ड ने कितने रुपए का प्रावधान किया। 2 साल बाद जवाब आया कि किसी वक्फ बोर्ड ने कोई प्रावधान नहीं किया है। इसका मतलब वक्फ बोर्ड में कहीं न कहीं गड़बड़ है। इसके सुधार की आवश्यकता है। वक्फ संशोधन विधेयक पर भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा- वक्फ संशोधन विधेयक को पारित करने में कोई परेशानी नहीं हुई। यह बिल देश के गरीब मुसलमानों के लिए था। यह उनकी हक की लड़ाई में बहुत काम आएगा। यह बिल उनके बच्चों के भविष्य के लिए था। अखिलेश यादव के बयान पर कहा- उन्हें वक्फ बिल से कोई मतलब नहीं है, वे केवल 2027 के चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। कौशांबी में वक्फ बिल पर डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा- देश में कुछ लोग मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं। वक्फ बोर्ड कुछ लोगों की निजी जागीर बनकर रह गया था, जहां धांधली और मनमानी होती थी। यह कांग्रेस की साजिश थी, जिसने वक्फ संपत्तियों को अनियंत्रित छोड़ दिया था। अब डीएम की अगुवाई में जमीनों की जांच होगी, जो सही पाया जाएगा, वही वक्फ बोर्ड की संपत्ति होगा। कांग्रेस ने देश को विभाजित करने और भारत माता को बेड़ियों में जकड़ने का काम किया था। जिस तरह कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 को बनाए रखकर कश्मीर को भारत से अलग-थलग रखा, उसी तरह वक्फ बोर्ड को भी कुछ लोगों की संपत्ति बना दिया था। लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने पर भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने कहा- विपक्ष को हर विषय पर राजनीति करना है।इस बिल से किसी को कोई नुकसान नहीं है। इटावा के सपा जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य बबलू ने कहा- सरकार पर गुजरात के उद्योगपतियों का दबदबा है। देशभर की वक्फ संपत्तियों को उन्हीं को देने की साजिश रची जा रही है। सरकार की मंशा साफ है-वक्फ संपत्तियों को निजी हाथों में सौंपना। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा- वक्फ संपत्तियों को प्रॉपर्टी डीलरों से मुक्त कर समस्त मुस्लिम समाज के हित में बड़ा कदम है। वक्फ बिल के पास होने का श्रेय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान और पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह जी की दृढ़ इच्छाशक्ति को जाता है। लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने पर मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा- लोकसभा में कल ये बिल पास हुआ है और अब राज्यसभा में चर्चा हो रही है।

संक्षिप्त डायरी

ई रिक्शा चालकों और उनके मालिकों का कैम्प लगाकर किया गया वैरिफिकेशन

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर मौदहा मंडी के नजदीक मौदहा ई रिक्शा यूनियन की मदद से ई-रिक्शा वैरीफिकेशन कैम्प का हुआ आयोजन, जिसमें 200 से ज्यादा ई रिक्शा चालकों और मालिकों को लिस्टिंग किया गया, जिससे उनके बारे में पता लगाया जा सके।

एआरटीओ-- अमिताभ राय

इस वैरीफिकेशन कैम्प में मौदहा एसडीएम राजकुमार गुप्ता, एआरटीओ अमिताभ राय ,सीओ मौदहा विनीता पहल, पीटीओ चंदन पांडेय,टीएसई हरविंदर सिंह,एसओ मौदहा उमेश सिंह , जेई नगर पालिका मौदहा तोताराम,ई रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष अरविंद गुप्ता साई हरविंदर सिंह ई रिक्शा विक्रेता अर्पित अग्रवाल अतुल परिवार संदीप प्रजापति शैलेंद्र सिंह मौजूद रहे। एआरटीओ अमिताभ राय ने कैम्प में कहा कि में अगर किसी ई रिक्शा को चलाते नाबालिग चालक पाये जाते हैं तो, तो एसे रिक्शों को सीज किया जायेगा जबकि चालकों के पैरेंट्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जायेगी। एक ही परिवार में दो से अधिक ई रिक्शा होने पर यह सिद्ध होगा कि ई-रिक्शा का व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा है जो नियम विरुद्ध है। किराए पर ई रिक्शा संचालित करने वालों के खिलाफ भी होगी कार्यवाही। एसडीम राजकुमार गुप्ता ने पूर्व में कराए गए वैरिफिकेशन कैम्पों की मदद लेने के लिए कहा कि पूर्व में नगरपालिका के किये गये वैरिफिकेशन लिस्ट को आधार बनाकर इसको आगे बढ़ाया जाए जिससे कि वख्त की बचत होगी।पुलिस क्षेत्राधिकारी मौदहा विनीता पहल ने कहा कि वैरिफिकेशन न कराने वालों के ई रिक्शा सीज किए जाएंगे। मौदहा ई रिक्शा यूनियन के अरविंद गुप्ता सहित Mandatory ओमप्रकाश को निर्देशित किया गया कि पांच दिनों के अंदर अपनी वैरिफिकेशन लिस्ट रास्तेवार तैयार कर ले, जिससे कि असत्यापित ई रिक्शा को चेक किया जा सके और उनके खिलाफ कार्यवाही की जा सके। अपंजीकृत ई रिक्शा के खिलाफ कार्रवाही करते हुए एआरटीओ अमिताभ राय सहित पीटीओ चंदन पांडेय ने सात ई रिक्शा सीज किए एवं 17 ई रिक्शा का चालान किया गया। नाबालिग चालक संचालित ई रिक्शा को सुमेरपुर फैक्ट्री एरिया में सीज किया गया सुमेरपुर तिराहे पर एक ई रिक्शा चालक (वाहन स्वामी स्वयं) नशे में संचालित करता हुआ पाया गया जिसका चालान करके उसके परिवार वालों को सौंपा गया।

मुरादाबाद में मांझे से युवक की गर्दन कटी

मुरादाबाद। में बाइक से जा रहे एक युवक की चाइनीज मांझे से गर्दन कट गई। युवक वहीं गिरकर तड़पने लगा। लोगों ने कपड़ा बांधकर खून रोकने का प्रयास किया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस उसे अस्पताल ले गई जहां से दिल्ली रेफर कर दिया गयामुरादाबाद में मांझे से युवक की गर्दन कटी मुरादाबाद में बाइक से जा रहे एक युवक की चाइनीज मांझे से गर्दन कट गई। युवक वहीं गिरकर तड़पने लगा। लोगों ने कपड़ा बांधकर खून रोकने का प्रयास किया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस उसे अस्पताल ले गई जहां से दिल्ली रेफर कर दिया गया। वहीं एक सिपाही भी चाइनीज मांझे की चपेट में आने से घायल हुआ है। उसे शहर के एक निजी अस्पताल में एडमिट कराया गया है। मुरादाबाद में दोनों हादसे संभल रोड पर करुला के आसपास के इलाके में हुए। मझोला थाना क्षेत्र के जयंतीपुर निवासी जावेद (22) बुधवार शाम 5 बजे बाइक से कहीं जा रहा था। जयंतीपुर में ख्वाजा वैक्वेट हाल के पास अचानक जावेद के गले में चाइनीज मांझा फंस गया। जिससे उसकी गर्दन कट गई। युवक के गले से खून की धार बहने लगी। वह बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने युवक को अस्पताल पहुंचाया। परिजनों को घटना के बारे में जानकारी दी। जावेद की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने प्राथमिक के बाद जावेद को दिल्ली रेफर कर दिया। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। प्रत्यक्ष दर्शी राम सुमेर के अनुसार जावेद अपनी बाइक से तेज रफ्तार में जा रहा था तभी उसकी गर्दन में मांझा फंस गया। तेज रफ्तार में होने से उसकी गर्दन आधी से ज्यादा कट गई। हम लोग दौड़कर उसे पकड़ते तब तक वह बाइक से नीचे गिर गया और तड़पने लगा। सब लोगों ने उसकी गर्दन से मांझा छुड़ाया और पुलिस को सूचना दी।कुछ लोगों ने उसको पानी पिलाने की भी कोशिश की लेकिन घाव ज्यादा गहरा होने से पूरी सड़क में खून ही खून फैल गया। हम लोगों ने कपड़ा बांधकर खून रोकने का भी प्रयास किया लेकिन खून नहीं रुक रहा था। तब तक पुलिस पहुंची और उसे अस्पताल ले गई। वहीं, चाइनीज मांझे की चपेट में आने से संभल रोड पर करुला के पास ब्रजेश नाम का एक सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। - 6 जनवरी को मेडिकल क्षेत्र में तेजगढ़ी चौराहे के पास चाइनीज मांझे से गर्दन कटने से बाइक सवार सुहेल की मौत हो गई। बाइक पर पीछे बैठा उसका दोस्त नवाजिश भी घायल हो गया। मांझे से उसकी नाक कट गई थी।- 7 जनवरी को लालकुर्ती के घोसी मोहल्ला निवासी होमगार्ड आसिफ डयूटी से लौटते समय चीनी मांझे की चपेट में आने से घायल हो गए। इसी मोहल्ले के अब्दुल वाहिद सैफी की दो साल की बेटी इसरा भी चीनी मांझे से गर्दन कटो से गंभीर रूप घायल हो गई। बच्ची की गर्दन पर 15 टांके आए थे। 2 फरवरी को मोहनपुरी के पास चीनी मांझे की चपेट में आकर बाइक सवार दो भाई घायल हो गए। लालकुर्ती निवासी अविनाश का चेहरा और उसके छोटे भाई युवराज का हाथ चीनी मांझे से कट गया। अविनाश के चेहरे पर 12 टांके आए हैं।हथकरघा मांझा पतंग उद्योग संस्था के अध्यक्ष कमाल आसिफ और इसी संस्था के जनरल सेक्रेटरी मो. शमी कहते हैं कि चीन से कोई मांझा नहीं आता है। भारत में ही प्लास्टिक, नाइलॉन से बने मांझे को चाइनीज मांझा कहा जा रहा है। इस चाइनीज कहे जाने वाले मांझे की शुरूआत बैंगलोर में मोनोकाइट नाम की कंपनी ने की।लोगों ने प्लास्टिक के मांझे को पॉपुलर करने के लिए इसे चाइनीज मांझा नाम दे दिया। कांच के टुकड़े, धातु और लोहे के बुरादे को गोंद में मिलाकर मांझे पर चढ़ाया जाता है, जिससे चाइनीज मांझा बनता है। इसके अलावा इस मांझे में कई केमिकल भी मिलाए जाते हैं, जो जान के लिए घातक साबित होते हैं। आमतौर पर पतंग उड़ाने के लिए दो तरह के मांझे का इस्तेमाल होता है। पहला सूती मांझा और दूसरा चाइनीज मांझा। सूती मांझे की अपेक्षा चाइनीज मांझा ज्यादा खतरनाक होता है। यह नायलॉन का बना होता है। इस मांझे पर कांच या मैटेलिक पाउडर से धार भी लगाई जाती है। यही वजह है कि यह सूत के मांझे से ज्यादा शार्प होता है।यह सामान्य मांझे की तुलना में कई गुना धारदार होता है। साथ ही बिजली के तार से संपर्क में आने पर चाइनीज मांझे में करंट भी आ सकता है।वहीं एक सिपाही भी चाइनीज मांझे की चपेट में आने से घायल हुआ है। उसे शहर के एक निजी अस्पताल में एडमिट कराया गया है। मुरादाबाद में दोनों हादसे संभल रोड पर करुला के आसपास के इलाके में हुए। मझोला थाना क्षेत्र के जयंतीपुर निवासी जावेद (22) बुधवार शाम 5 बजे बाइक से कहीं जा रहा था।

हमीरपुर की जरिया पुलिस ने जुआं खेलते आठ जुआंडियों को एक लाख छब्बीस हजार दो सौ सत्तर रुपये के साथ किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की जरिया पुलिस को अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत जुआं खेलते आठ जुआंडियों को एक लाख छब्बीस हजार दो सौ सत्तर रुपये के साथ दबोचने में बड़ी कामयाबी मिली। जरिया पुलिस ने बताया कि आठ जुआंडियों को हारजीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते क्रेशर पहडिया के पास बने कमरे, ग्राम पहरा से दबोचा गया, जबकि जुआंडियों के कब्जे से 1,12,280 रुपए के साथ ही तलाशी के दौरान 13,990 रुपए के साथ ही 52 अदद ताश के पत्ते बरामद करने में कामयाबी मिली। जुआंडियों के खिलाफ पुलिस ने मु0अ0सं0 48/2025 धारा 13 जुआं एक्ट के साथ दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है। पकड़े गये जुआंडियों में खासतौर से थाना क्षेत्र के 27 वर्षीय चंडौत निवासी राघवेन्द्र पुत्र लाखन सिंह, जबकि ग्राम खेड़ाशिलाजीत निवासी सिद्धगोपाल पुत्र स्वर्गीय मंगलदास, जबकि 48 वर्षीय ग्राम न्यूरिया थाना बिंवार निवासी विजयनारायण पुत्र सूरज प्रसाद तिवारी, वही 50 वर्षीय राठ के चिल्ली निवासी अजयभान पुत्र बाबूराम राजपूत, जबकि 55 वर्षीय बिंवार थाना क्षेत्र के लोदीपुर निवासीकृष्णगोपाल सिंह पुत्र स्वर्गीय भारत सिंह, वही 40 वर्षीय बिंवार के न्यूरिया निवासी शैलेन्द्र सिंह पुत्र जयपाल सिंह, जबकि 36 वर्षीय मुस्करा के खडेही लोधन निवासी दिलीप पुत्र इन्द्रजीत राजपूत सहित 35 वर्षीय राठ के बिलरख निवासीधीरेन्द्र सिंह पुत्र श्यामलाल राजपूत शामिल हैं। जबकि जुआंडियों को रफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई रामकुमार, एस आई तुलसीराम, हैड कांस्टेबल जितेन्द्र पाण्डेय, हेड कांस्ट शिवेन्द्र सिंह, ांस्टेबल अभिषेक कुमार, कांस्टेबल अभिनव प्रताप सिंह कांस्टेबल कपिल कुमार सहित कांस्टेबल आशीष रजक शामिल रहे।

वार्षिक परीक्षा में सफल छात्र - छात्राओं को सम्मानित किया गया

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। सरस्वती चिल्ड्रेन्स एकेडमी विद्यालय में वार्षिक परीक्षा 2024-25 का परीक्षा में विद्यालय की टापर मायरा सिंह 97.63% और सफल छात्र छात्राओं को अंकपत्र, प्रशस्ति पत्र, मेडल देकर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि संस्कार संगम के अध्यक्ष अशोक कुमार जैन ने कहा कि पढ़ा लिखा समाज ही तरक्की करता है। भविष्य के लिए बच्चों को उचित शिक्षा और मार्ग दर्शन जरूरी है। नगरपालिका परिषद कुशीनगर की अध्यक्ष किरन जायसवाल ने कहा कि स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क

का बास होता है। स्वस्थ्य मस्तिष्क से ज्ञान की प्राप्ति होती है। बच्चों को संस्कार युक्त शिक्षा प्रदान करने पर शिक्षक और अभिभावक ध्यान दें। तभी एक सुंदर समाज बनेगा।डॉ अम्बरीष विश्वकर्मा, राजू मद्धेशिया, दिनेश तिवारी भोजपुरिया, सचिव ताइक्वांडो एसोसिएशन कुशीनगर दीपक मद्धेशिया ने अपने विचार व्यक्त किए। विद्यालय के संस्थापक रामजीत प्रसाद मद्धेशिया, सह संस्थापक कृष्णमुरारी मद्धेशिया ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती के पूजन और अध्यापिका अन्नू सिंह के सरस्वती वंदना से हुआ।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सुमित मद्धेशिया ने अतिथियों का स्वागत और संचालन मजीबुल्लाह राही ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक प्रमोद सिंह, आरएन गुप्ता, विकास मद्धेशिया, मोहित अग्रहरि, प्रवीण पांडेय, श्रीमती गीता सिंह, श्रीमती कौशल्या सिंह, श्रीमती आरती गुप्ता, निशा मद्धेशिया, संजना श्रीवास्तव, अन्नू सिंह, कावेरी शर्मा मौजूद रहे।

चीनी मिल ढ़ाढ़ा परिक्षेत्र में 19 सौ एकड़ खेत में मशीन से हुई गन्ने की बुआई

संवाददाता

कुशीनगर। गन्ने की उन्नत खेती में काफी बड़ा क्रांतिकारी बदलाव आया है। कृषि यंत्रों के आ जाने से कृषि कार्य में समय और पैसे की बचत हो रही है। अवध चीनी मिल ढ़ाढ़ा परिक्षेत्र में बसंतकालीन गन्ना बुआई कार्य में ऑटोमैटिक केन प्लांटर से एक एकड़ खेत में डेढ़ से दो घंटा समय लग रहा है। अगर नजदीकी खेत में गन्ना बीज उपलब्ध हो तो और कम समय लगेगा।उक्त बातें उ० प्र० गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराइच गोरखपुर के सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने

अकटहिया में ऑटोमैटिक केन प्लांटर से रामजीत यादव के खेत में हो रही गन्ना बुआई का निरीक्षण करते हुए कहीं। किसान श्री यादव ने बताया कि इस विधि से समय और पैसे की बचत होती है। आरएमडी पेडी प्रबंधन मशीन से पेडी गन्ना की गुड़ाई आसान हो गई है। चीनी मिल के सहायक गन्ना उपाध्यक्ष अवधेश गुप्ता ने बताया कि मिल क्षेत्र में 19 सौ एकड़ खेत में गन्ने की बुआई हो गई है। गेहूं काटकर बुआई कराई जाएगी। इसके लिए गन्ना बीज आरक्षित कर दिया गया है। अवध चीनी मिल ढ़ाढ़ा के अधिशासी अध्यक्ष करन सिंह ने बताया कि गन्ने की खेती।लाभकारी और आसान बनाने के लिए किसानों को छोटा ट्रैक्टर अनुदान पर दिया जा रहा है। चीनी मिल गुड़ाई यंत्र भी दे रही है। गन्ने की कटाई, छिलाई और लदाई के लिए आधुनिक कृषि यंत्र का प्रदर्शन भी खेत पर कराया गया है। किसानों को बिना ब्याज ऋण पर गन्ना बीज दी जा रही है। गन्ना प्रबंधक गया शंकर ने को. 118 गन्ना प्रजाति की उपलब्धता बताई। उप महा प्रबंधक डीडी सिंह ने बसंतकालीन गन्ना बुआई पर चर्चा की और इसके लाभ बताए।

बेखौफ मोरम माफिया प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से जलधारा में अवैध खनन कर शासन को लगा रहे हैं लाखों के राजस्व का चूना

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर बेरी के इन्दपुरी मोरम खण्ड-10/6 के दबंग और बेखौफ संचालक गौरी सिंह के इशारे पर इनके गुर्गे प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से नदी की जलधारा में धडल्ले से मोरम का अवैध खनन कर प्रदेश के ईमानदार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जबकि तेज तर्रार खनन निदेशक माला श्रीवास्तव सहित हमीरपुर डीएम घनश्याम मीना की साफ सुथरी छवि को धूमिल करने का कर रहे हैं काम। वही खण्ड संचालक गौरी सिंह के इशारे पर खण्ड में मोरम की ओवरलोडिंग के साथ ही अवैध परिवहन भी जमकर किया जा रहा है, जबकि शासन को लग रहा है लाखों के राजस्व का चूना। वही खनिज विभाग इस बेखौफ और दबंग खंड संचालक के खिलाफ कार्यवाही की हिम्मत क्यों नहीं जुटा पा रहा है, ये अपने आप में एक बड़ा सवाल है। जिसके चलते खनिज विभाग की कार्यशैली पर उंगली उठना लाजमी है।

विधानसभा लखनऊ में युवा संवाद में शामिल सारा खान ने किया कुशीनगर का नाम रौशन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के अंजुम बालिका इंटर कालेज सोहसा पट्टी गौसी में एक कार्यक्रम आयोजित कर विद्यालय में अध्ययनरत छात्रा सारा खान जो युवा संवाद कर विधानसभा लखनऊ में शामिल होकर कुशीनगर गौरव बढाया है । सारा खान को विद्यालय द्वारा समारोह पूर्वक सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव ने कहा कि हमारे कुशीनगर की बेटी सारा खान ने युवा संवाद में शामिल होकर इस

विद्यालय और जनपद का नाम तो रोशन किया है और परिवार का मान बढ़ाया है युवाओं को इस बेटी से सीख लेनी की जरूरत है। मंडल अध्यक्ष भाजपा राजेश राव ने कहा कि सारा खान ने पूरे क्षेत्र का नहीं कुशीनगर जिले का नाम रौशन किया और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को साकार कर रही है क्योंकि प्रधानमंत्री ने नारा दिया है कि बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ अभियान को सकार कर रही है इस दौरान युवा संवाद में शामिल सारा खान ने अपने संबोधन में कहा कि हम अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं युवा संवाद में शामिल होकर। अध्यक्षता शिक्षक दीनानाथ सिंह और संचालन शिक्षक अमिताभ त्रिपाठी ने किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष शमसाद खान ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पवन दूबे, ग्राम प्रधान डिम्पल पांडेय, पिंटू तिवारी, इशरत जहां, कुंअर मद्धेशिया मौजूद रहे।

न्यू इंडिया सुगर मिल ढाढा हाटा ने दी 60 टीबी रोगियों को पोषण पोटली

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जनपद में टीबी रोगियों को गोद लेकर पोषण पोटली देने का कार्यक्रम के तहत सीएचसी कसया के सभागार में न्यू इंडिया सुगर मिल हाटा द्वारा 60 टीबी रोगियों को प्रोटीनयुक्त पौष्टिक आहार दिया गया।

गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम के मुख्यअतिथि जिलाक्षयरोग अधिकारी डॉ एसएन त्रिपाठी ने कहा कि पोषण देने के साथ

टीबी से लड़ रहे रोगियों का हौसला भी बढ़ाये तथा उनके साथ भावनात्मक जुड़ाव भी रखे। जो व्यक्ति निक्षय मित्र बनकर टीबी रोगियों को उपचार चलने तक प्रतिमाह पौष्टिक आहार दे रहा है उनको साधुवाद देता हूँ। मैं मिल के प्रबंध तंत्र को इस पुनीत कार्य हेतु शुभकामनाएं देता हूँ। जिनके द्वारा लगातार रोगियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये प्रोटीनयुक्त आहार दिया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि सुगर मिल के चिकित्सक डॉ नवनीत त्यागी ने कहा कि टीबी रोगियों को सेवा करने का जो अवसर हमारे मिल प्रबन्ध को दिया गया। इसके लिये मैं निक्षय मित्र नोडल आशुतोष मिश्र की प्रसंशा करता हूँ। अध्यक्षता कर रहे सीएचसी अधीक्षक डॉ मार्कण्डेय चतुर्वेदी ने कहा कि मैं उन सभी निक्षय मित्रों के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ जिसके वजह से टीबी रोगीयों के चेहरे पर मुस्कान आ रही है।

संचालन निक्षय मित्र नोडल आशुतोष कुमार मिश्र ने किया। आगन्तुकों का स्वागत एवं आभार एसटीएस शाहिद अंसारी ने किया। इस दौरान एचआर से अंकुर श्रीवास्तव, फार्मासिस्ट सुबोध उपाध्याय, विनय पाठक, बीसीपीएम प्रकाश, ट्रीटमेंट सपोर्टर अशोक गुप्ता, धनश्याम प्रसाद, रामप्रवेश, रामनगीना यादव उपस्थित रहे।

डॉ. महेश शर्मा ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा में काफी समय से लंबित मेट्रो प्रोजेक्ट क उठाया मुद्दा

फ्यूचर लाइन टाईम्स

दिल्ली/नोएडा। लोकसभा में क्षेत्र के सांसद डॉ. महेश शर्मा ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा में काफी समय से लंबित मेट्रो प्रोजेक्ट का मुद्दा उठाया। इससे पहले भी सांसद डा. महेश शर्मा ने बिल्डर-बायर्स के मुद्दों को भी सदन में जोरदार तरीके से उठाया था जिससे काफी गति मिली थी और लोगों की रजिस्ट्री का कार्य भी शुरू हो गई थी। उन्होंने कहा कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा उत्तर प्रदेश की शो विन्डो है एनसीआर का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। विश्व पटल पर अपनी पहचान बना चुका है। इसके अलावा कई प्रमुख बिन्दुओं के बारें में बताया जो इस प्रकार है: ऽ जेवर एयरपोर्ट जिसका संचालन जल्द ही प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के कर कमल द्वारा किया जाना प्रस्तावित है उसके विषय को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट जाने के लिए नोएडा कालिंदी कुंज यमुना के किनारे से ग्रेटर नोएडा और जेवर एयरपोर्ट तक एक नेशनल हाईवे का निर्माण हो जिससे कि एयरपोर्ट जाने के लिए लोगों को जाम में ना फंसना पड़े और एयरपोर्ट आसानी से पहुंचा जा सकें। ऽ ग्रेटर नोएडा वेस्ट में परिवहन की कोई व्यवस्था नही है , निरंतर बढ़ती हुई आबादी और छात्रों की संख्या में इजाफा को देखते हुए यह मेट्रो लाइन जीवन रेखा में एक बड़ा बदलाव करेगी इसलिए इस कार्य को जल्द से जल्द पूण्र्ज़ कराया जायें। ऽ इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर भी कुछ गुणात्मक कार्य

चल रहे हैं वह भी अगर समय से पूर्ण हो जाए तो जेवर एयरपोर्ट जाने के लिए ग्रेटर नोएडा वेस्ट से भी जल्द से जल्द जेवर एयरपोर्ट पहुंचा जा सकता है जिससे गाजियाबाद और आसपास के क्षेत्र को भी फायदा होगा सांसद ने कहा कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट क्षेत्र, जहाँ मध्यम वर्गीय छात्र रहते है लगभग 8 लाख से अधिक की जनसंख्या वहां रहती है और शहर बसने के समय से इस विषय पर रखकर कि यहां मेट्रो आने वाली है इस शहर को बसाया गया था लेकिन आज 8 वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है और अभी तक मेट्रो परियोजना की शुरूआत नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. एम लोकेश से जानकारी प्राप्त की है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने हिस्से का अंश भारत सरकार को दे चुका है, लेकिन पिछले कुछ महीनों से अधिक समय से शहरी विकास मंत्रालय में यह फाइल लंबित है। डॉ. महेश शर्मा ने शहरी विकास मंत्रालय से आग्रह किया कि वे तत्काल ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो परियोजना पर कार्यवाही करें, क्योंकि यहां ट्रैफिक जाम, प्रदूषण और विकास से संबंधित गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जेवर एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश ही नहीं, देश का भी गौरव है, और प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में यह एयरपोर्ट लोकार्पण के लिए तैयार है। ऐसे में, 25 वर्ष पुरानी एक्सप्रेस वे की व्यवस्था को भी तुरंत चालू किया जाना चाहिए।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शासकीय अधिवक्ताओं के साथ अभियोजन की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गौतम बुद्ध नगर : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में शासकीय अधिवक्ताओं के साथ अभियोजन कार्यो की समीक्षा करते हुए शासकीय अधिवक्ताओं से कहा कि पास्को एवं महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरण को लेकर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी बहुत ही गंभीर हैं, इसलिए आप सभी का दायित्व और अधिक बढ़ जाता है कि पास्को एवं महिला उत्पीड़न संबंधित प्रकरणों में जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने की कार्रवाई की जाए, ताकि माननीय मुख्यमंत्री की जो स्पष्ट मंशा है उसको मूर्त रूप प्रदान किया जा सके। जिलाधिकारी ने शासकीय अधिवक्ता को निर्देशित किया कि टॉप 10 अपराधियों के प्रकरणों में नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए एवं उनकी सूची भी उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने शासकीय अधिवक्ताओं को यह भी कहा कि जिन प्रकरणों में दोष मुक्त किए जा चुके हैं उसकी रिपोर्ट भी समय से उपलब्ध करा दी जाए, ताकि ऐसे प्रकरणों पर अपील हेतु निर्णय लिया जा सके। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर शासकीय अधिवक्ता गणों कहा कि सभी अधिवक्ता गण अभियोजन कार्यो को नियोजित करते हुए संपादित करें ताकि अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सरकार के हित में संभव हो सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, सिटी मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्रा तथा शासकीय अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

नवजात कन्या शिशुओ को विशेष उपहार देकर सम्मानित किया

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। लायंस क्लब नौएडा एलीट के द्वारा नवरात्रि पर्व के उपलक्ष में "नवजात कन्या शिशुओ एवं उनकी माताओ" (जच्चा एवं बच्चा) को विशेष उपहार देकर सम्मानित किया गया।इस सेवा कार्य में एक किट जिसमें नवजात बच्चियो के लिए 2 जोडे कपड़े, खिलौने, साबुन, पाउडर व तेल, कम्बल, मचछरदानी दी गई एव मां के लिए देसी घी, अजवाइन, जीरा आदि समान दिया गया। इस अवसर पर जिला सरकारी अस्पताल सैक्टर 39 की डाक्टर रेणु अग्रवाल(मुख्य चिकित्सा अधीक्षक), डाक्टर नरेंद्र कुमार (मुख्य चिकित्सा अधिकारी) भी उपस्थित रहे एवं जिला 321c1 के उपमंडलाध्यक्ष लायन विनय सिसौदिया एवं लायन शशि सिसौदिया व रीना शर्मा, लायन पिंकी गुप्ता, लायन निशि अग्रवाल, लायन राजेश मेहदिरत्ता, जोन चेयरपर्सेन लायन संजीव शर्मा, पूनम शर्मा (सचिव), मोना चावला (कोषाध्यक्ष), लायन कुशल वार्ष्णेय, लियो भावना मेहदिरत्ता, लिओ सिमरन मेहदिरत्ता आदि सदस्यो ने उपस्थित होकर सेवा कार्य में हाथ बटाया।लायंस क्लब नौएडा एलीट के सेवाकार्य के लिए सभी उपस्थित सम्मानित लॉयन सदस्यो को धन्यवाद देकर भविष्य मे भी जिला एव प्रदेश मे सेवा कार्यो मे सहयोग का आश्वासन डाक्टर नरेंद्र कुमार ने दिया जिसे पूर्णकरने का विशवास उपमंडलाध्यक्ष लायन विनय सिसौदिया ने दिया।

धार्मिक स्थलों के पास शराब के ठेकों के खिलाफ युवा क्रांति सेना ने उठाई आवाज

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा। धार्मिक स्थलों के निकट शराब के ठेकों के आवंटन के विरोध में युवा क्रांति सेना ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। संगठन के अध्यक्ष अविनाश सिंह के नेतृत्व में स्थानीय नागरिकों का एक प्रतिनिधिमंडल नोएडा के डीसीपी रामबदन सिंह से मिला और इस विषय पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सेक्टर-9 स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर एवं मस्जिद के 100 मीटर के दायरे में और सेक्टर-7 के प्राचीन मंदिर से मात्र 50 मीटर की दूरी पर शराब के ठेकों का संचालन हो रहा है। यह धार्मिक आस्थाओं का अपमान है और सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका को जन्म देता है। युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने कहा कि धार्मिक स्थलों के पास शराब के ठेके होना न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों

के खिलाफ है, बल्कि इससे कानून-व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। यह स्थिति आम जनता की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के साथ-साथ क्षेत्र में अपराध और असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा दे सकती है। प्रशासन को तत्काल इन ठेकों को हटाने के आदेश देने चाहिए। यदि हमारी मांग पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो हम स्थानीय नागरिकों के साथ मिलकर बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। डीसीपी रामबदन सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस विषय पर संबंधित विभाग से चर्चा कर जल्द समाधान निकाला जाएगा।

इस अवसर पर बाबू प्रधान, आकाश शर्मा, रोहित ठाकुर, किशोर शर्मा, कालीचरण प्रजापति, अजय कुमार, अरिहंत जैन, दिनेश आदि मौजूद थे।

भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष के भव्य स्वागत समारोह की तैयारी जोरों पर

फ्यूचर लाइन टाईम्स

दादरी। गौतमबुद्ध नगर के जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर अभिषेक शर्मा के सम्मान में बाबा फार्म हाउस दुजाना, जिला गौतमबुद्ध नगर में आयोजित होने वाले स्वागत समारोह की तैयारियां पूरी गति पर हैं। कार्यक्रम की व्यवस्था में सभी साथी उत्साह और ऊर्जा के साथ जुटे हुए हैं। कार्यक्रम के संयोजक नागर क्लब के चैयरमेन जितेन्द्र नागर उर्फ बाबा मा. अजीत नागर ने बताया कि सम्मान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डाक्टर महेश शर्मा (सांसद व पूर्व कैबिनेट मंत्री भारत सरकार) की उपस्थिति इस कार्यक्रम को और भी विशेष बना रही है। समारोह की अध्यक्षता माननीय शतेन्द्र शिशौदिया (अध्यक्ष पश्चिमी उ0प0 - भाजपा) करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में मा. तेजपाल नागर (विधायक, दादरी ग्रेटर नोएडा उ0प0), नरेन्द्र सिंह भाटी (सदस्य विधान परिषद उ0प0 व पूर्व कैबिनेट मंत्री 30प0 सरकार), श्रीचन्द शर्मा (सदस्य विधान परिषद उ0प0),अमित

चौधरी (अध्यक्ष जिला पंचायत गौतमबुद्ध नगर उ0प0) और सतवीर गुर्जर (पूर्व विधायक दादरी उ0प0) शामिल रहेंगे।कार्यक्रम के पूर्व, आयोजकों ने कचेडा, अच्छैजा, बादलपुर और कल्दा जैसे गाँवों का दौरा किया। गाँवों में लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया और आयोजन को सफल बनाने के लिए शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं को भी आयोजकों के समक्ष रखा। आयोजकों ने सभी को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को उचित मंच पर उठाया जाएगा और समाधान के लिए प्रयास किए जाएंगे। दौरे के दौरान ग्रामीणों में आयोजन को लेकर भारी उत्साह और जोश देखने को मिला। अब सभी की निगाहें आगामी स्वागत समारोह पर टिकी हैं, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होने की उम्मीद है। नागर क्लब दुजाना, द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम में सभी आमंत्रितों का गर्मजोशी से स्वागत करने की तैयारियां की जा रही हैं।

कॉंग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष मुकेश यादव का जोरदार स्वागत

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। कॉंग्रेस कमेटी नोएडा के पूर्व महासचिव रामकुमार शर्मा एवं कांग्रेसी नेता आरके प्रथम के नेतृत्व में सेक्टर 19 बारात घर मे कॉंग्रेस के नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव का स्थानीय निवासियों ने फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया।इस कार्यक्रम में नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा है कि नोएडा के निवासियों के सहयोग स्नेह से पुन कांग्रेस पार्टी ने जिम्मेदारी दी है।हम सब मिलकर जनता की आवाज को मजबूत तरीके से सँघर्ष करेंगे। आप सभी का हर्दय से आभार।पूर्व प्रदेश सदस्य सतेन्द्र शर्मा ने कहा है कि कॉंग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने के लिए नोएडा में जमीनी स्तर में सदस्यता अभियान चलाकर लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा जिससे पार्टी को मजबूती मिलेगी।कॉंग्रेस पार्टी से सदैव जनता के हितों के लिए सँघर्ष किया है।पूर्व एआईसीसी सदस्य राजकुमार भारती ने सभी से आव्हान किया है कि आप सभी हमारे साथ मिलकर पार्टी को मजबूत करो और हमें समस्याओं से अवगत कराएं।जिससे पार्टी स्तर से समाधान करवाने के लिए सँघर्ष किया जा सके।इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव,वरिष्ठ नेता राजकुमार भारती, प्रदेश सदस्य यतेद्र शर्मा,वरिष्ठ नेता कैप्टन पीएस रावत,पूर्व सदस्य सतेंद्र शर्मा,वरिष्ठ नेता विक्रम सेठी,पूर्वांचल के वरिष्ठ नेता दयाशंकर पांडेय,वरिष्ठ नेता विक्रम चौधरी,वरिष्ठ नेता रामकुमार शर्मा,वरिष्ठ नेता आरके प्रथम सहित स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर द्वारा हीट वेव/लू से बचाव के लिए क्या करें, क्या न करें के संबंध में जनहित में एडवाइजरी की गयी जारी

फ्यूचर लाइन टाईम्स

गौतम बुद्ध नगर : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निदेर्शों के क्रम एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार के मार्गदर्शन में जिला आपदा विशेषज्ञ गौतमबुद्धनगर ने जनसामान्य को बताया कि जनपद में बढ़ते तापमान के चलते लू और गर्म हवाओं के सम्पर्क में आने से बचें। गर्म हवा के सम्पर्क में आने से लू लग सकती है, इसीलिए ऐसे में अपना विशेष ध्यान रखे तथा लू लगने पर तुरन्त चिकित्सय सहायता अवश्य लें।

उन्होंने बताया कि हीट वेव/लू से बचाव के लिए "क्या करें, क्या न करें" के संबंध में जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा जनहित में एडवाइजरी जारी की गई है। उन्होंने बताया कि हीट वेव/लू के दौरान क्या करें-

1.कड़ी धूप में बाहर न निकले, खासकर दोपहर 12:00 बजे से 3:00 बजे तक के बीच।

2.गरम हवा के स्थिति जानने के लिये रेडियो सुने, टी0वी देखे, समाचार पत्र पर स्थानीय मौसम पूवार्नुमान की जानकारी लेते रहे।

3.जितने बार हो सके पानी पीये,प्यास न लगा हो तभी पानी पीये ताकि शरीर मे पानी की कमी से होने वाली बीमारी से बचा जा सके।

4.हल्के रगं के ढीले ढाले सूती वस्त्र पहने ताकि शरीर तक हवा पहुचे और पसीने को सोख कर शरीर को ठंडा रखे।

5.धूप में बाहर जाने से बचे, अगर बहुत जरुरी हो तो गमछा, चश्में, छाता, टोपी एवं जूते या चप्पल पहनकर ही घर से बाहर निकले।

6.शराब, चाय, कॉफी जैसे पेय पदार्थो का इस्तमाल न करे, यह शरीर को निर्जलित कर सकते है।

7.यात्रा करते समय अपने साथ बोतल में पानी जरुर रखें। गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर और गर्दन पर रखें।

8.गर्मी के दिनों में ओ0आर0एस0 का घोल पिये। अन्य घरेलू पेय जैसे, नीबू पानी, कच्चे आम का बना लस्सी आदि का प्रयोग करे, जिससे शरीर में पानी की कमी न हो।

9.अगर आपकी तबीयत ठीक न लगे, तो गर्मी से उत्पन्न हाने वाले विकारों, बीमारियों को पहचाने। तकलीफ होने पर तुरन्त चिकित्सकीय परामर्श ले।

10.जानवरों को छायादार स्थान में रखें, उन्हे पीने के लिये पर्याप्त मात्रा में पानी दें।

11.अपने घर को ठंडा रखें, घर को पर्दे से ढक कर या पेन्ट लगाकर 3-4 डिग्री तक ठंडा रखा जा सकता है।

12.रात में अपने घरो की खिड़िकियो को अवश्य खुली रखें।

13.कार्यस्थल पर पानी की समुचित व्यवस्था रखें।

14.फैन, ढीले कपडे. का उपयोग करे। ठंडे पानी से बार-बार नहाएं।

क्या न करें-

1.धूप मे, खडें वाहने में बच्चे एवं पालतू जानवरों को न छोडें।

2.खिड़की की रिफलेक्अर जैसे एल्युमुनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढककर रखे, ताकि बाहर की गर्मी का अन्दर आने से रोका जा सके।

3.उन खिड़कियो दरवाजे पर जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएं आती है, काले कपडे/पर्दे लगाकर रखना चाहिए।

4.जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण/स्थानीय मौसम के पूवार्नुमान को सूनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सर्तक रहें।

5.आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें।

6.जहॉ तक सम्भव हो घर में ही रहे , सूर्य के सम्पर्क से बचें।

7.सूर्य की तापमान से बचने के लिए जहॉ तक सम्भव हो घर की निचली मंजिल में ही रहें, सबसे उपरी मंजिल में कदापि न रहें, ताप के प्रभाव से लू (हीट-वेव) का शिकार होने की सम्भावना प्रायः बनी रहती है।

8.संतुलित हल्का व नियमित भोजन करें।

9.दिन के 11 बजे से 3 बजे के बीच बाहर न निकले।

10.गहरे रंग के भारी एवं तंग वस्त्र पहनने से बचें।

11.खाना बनातें समय कमरे के खिड़की एवं दरवाजे खुले रखे, जिससे हवा का आना जाना बना रहे।

12.नशीले पदार्थ, शराब तथा अल्कोहल के सेवन से बचें।

13.उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचें। बासी भोजन न करें।

मुठभेड़ में दो बदमाश पकड़े, एक को लगी गोली

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। थाना सेक्टर-63 पुलिस की गुरुवार सुबह दो बदमाशों के साथ मुठभेड़ हो गई। एक बदमाश के पैर में गोली लगी। दोनों बदमाश राह चलते लोगों से मोबाइल और चेन स्नैचिंग की घटना करते थे। ये लोग करीब 50 से ज्यादा घटनाएं कर चुके हैं। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि गुरुवार सुबह पुलिस टीम बहलोलपुर अंडरपास पर चेकिंग कर रही थी। गढ़ी गोल चक्कर की तरफ से बिना नंबर प्लेट बाइक सवार दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखे। पुलिस टीम ने दोनों संदिग्ध को रुकने के लिए कहा। बाइक की रफ्तार बढ़ाते हुए ग्रीन बेल्ट की साइड से एफएनजी गोल चक्कर की तरफ जाने वाले सर्विस रोड पर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस टीम ने करीब 900 मीटर तक दोनों का पीछा किया। इस दौरान एफएनजी सर्विस रोड पर ग्रीन बेल्ट के गेट से अंदर घुसने से बाइक वहीं गिर गई। खुद को पुलिस से घिरता देख एक बदमाश ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। पुलिस ने जवाबी फायर किया। इसमें एक बदमाश को गोली लगी। घायल बदमाश की पहचान फरुर्खाबाद के गांव बड़े फतेहपुर निवासी निलेश चौहान के रूप में हुई। इसके पास से तमंचा और स्नैच/चोरी किए हुए चार मोबाइल फोन बरामद हुए। वहीं, दूसरे बदमाश को पुलिस ने कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया। इसकी पहचान जिला अलीगढ़ के गांव कुंवारसी रामघाट निवासी आदित्य कुमार के रूप में हुई। इसके कब्जे से भी चार मोबाइल फोन बरामद किए। ये लोग जिस बाइक से आ रहे थे वो भी चोरी की निकली। घायल बदमाश निलेश चौहान को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पूछताछ में पता चला कि दोनों आरोपी एनसीआर में घूमकर मोबाइल फोन छीनने और चोरी की वारदातों अंजाम देते हैं। निलेश चौहान पूर्व में भी कई बार जेल जा चुका है।

दुकान से नगदी और कीमती सामान चोरी

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सेक्टर-नौ स्थित स्टील फर्नीचर और मॉड्यूलर किचन बनाने वाली दुकान में रखी नगदी और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। मौके पर पहुंची थाना फेज-वन पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस दुकान के अंदर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की सहायता से मामले की जांच कर रही है। सिंह स्टील के मालिक रविंद्र ने गुरुवार सुबह पुलिस को सूचना दी कि जब वह अपनी दुकान खोलने के लिए आए तो सामान तितर बितर पड़ा था। अज्ञात बदमाशों ने उनकी दुकान के अंदर घुसकर वहां रखे 80 हजार रुपये और अन्य सामान चोरी कर लिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो पता चला कि दुकान के पास लगे एक पेड़ के सहारे बदमाश दुकान की छत पर पहुंचे तथा छत के रास्ते दुकान के अंदर घुसे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस दुकान के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे तथा आसपास के दुकानों पर लगे कैमरों की सहायता से बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस को संदेह है कि इस घटना के पीछे दुकान में काम करने वाले किसी कर्मचारी का हाथ भी हो सकता है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। जल्द ही घटना का पदार्फाश करने का दावा कर रही है।

बाइक की टक्कर से छात्रा घायल

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। बीटा दो कोतवाली क्षेत्र में एक बाइक सवार ने रेपिडो में टक्कर मार दी। हादसे में रेपिडो बाइक पर सवार एक छात्रा को गंभीर चोट आई है। छात्रा का अस्पताल में ईलाज चल रहा है। इस मामले में छात्रा के पिता ने आरोपी बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मायचा की मढैया गांव के रहने वाले आनंद कुमार शर्मा ने शिकायत की है। आनंद कुमार शर्मा ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी अन्नू नॉलेज पार्क के एक कॉलेज से बीटेक की पढ़ाई कर रही है। छात्रा बीते शुक्रवार को अपने हॉस्टल से रेपिडो बाइक पर सवार होकर दूसरे हॉस्टल जा रही थी। इस बीच रास्ते में एक बाइक सवार ने रेपिडो में टक्कर मार दी थी। हादसे में अन्नू घायल हुई है। इस घटना में छात्रा को सिर में गंभीर चोट लगी है। अस्पताल में छात्रा का ईलाज चल रहा है। छात्रा के पिता का आरोप है कि हादसे की वजह से उसकी बेटी की पढ़ाई बीच में छूट गई है। छात्रा के पिता ने आरोपी बाइक सवार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

आईएमएस में अंतर-विभागीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में अंतर विभागीय खेल प्रतियोगिता शुरू की गयी। संस्थान द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन छात्रों के लिए कैरम, चेस, टेबल टेनिस और बॉक्सिंग प्रतियोगिता रखी गई। वहीं प्रतिस्पर्धा के दौरान आईएमएस के वाइस प्रसिडेंट चिराग गुप्ता, महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन, स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर रीना मैसी के साथ छात्रों ने अपनी मौजूदगी दर्ज करायी।खेल प्रतिस्पर्धा की शुरूआत करते हुए चिराग गुप्ता ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह

व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और मानसिक मजबूती का प्रतीक भी है। आईएमएस नोएडा हमेशा से शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। वहीं प्रोफेसर (डॉ.) विकास

धवन ने कहा कि छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल आवश्यक है। यह छात्रों में अनुशासन, समर्पण और टीम वर्क जैसी क्षमताओं को भी विकसित सहायक होती है। उन्होंने कहा कि आईएमएस नोएडा हमेशा से छात्रों के अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहा है।स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर रीना मैसी ने बताया कि, इस दो दिवसीय इनडोर खेल प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य छात्रों को शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रखना है। खेल छात्रों में अनुशासन,टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में सहायक होते हैं। हम चाहते हैं कि हमारे विद्यार्थी खेलों के माध्यम से आत्मविश्वास बढ़ाएं और अपने सर्वांगीण विकास की ओर अग्रसर हों। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धा के सफल आयोजन में संस्थान के शिक्षक छात्र एवं खेल प्रशिक्षकों का विशेष योगदान रहा।

12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद, वक़्फ संशोधन बिल 2025 लोकसभा में पारित

किशन सनमुखदास भावनानी

अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वक़्फ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई,अंजाम तक आई- लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 288/232 से बिल पारित - 3 अप्रैल को राज्यसभा से भी पारित होगा।12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद,वक़्फ संशोधन बिल 2025 लोकसभा में पारित।लोकसभा में लगातार 12 घंटे की बहस सुनने से लेकर अर्ली मॉर्निंग 4 बजे यह रिपोर्ट बनाना मेरे लिए रोमांचित अनुभव रहा।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के लोकतंत्र के मंदिर रूपी संसद व उच्च सदन राज्यसभा में किसी महत्वपूर्ण विधेयक पर बहस कर उसमें संशोधन से लेकर वोटिंग तक पर पूरी प्रक्रिया को भारत सहित पूरे विश्व नें ध्यान से देखा व सुना है, जिसमें महिला आरक्षण विधेयक बिल, जीएसटी बिल, आर्टिकल 370 बिल सहित अनेकों बिलो को हमने लोकसभा के दोनों सदनों से पास होते हमने देखा है। आज यह चर्चा हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि आज अर्ली मॉर्निंग करीब 4 बजे तक मैंनें करीब 16 घंटे लगातार वक़्फ (संशोधन) बिल 2025 की पूरी बहस, वोटिंग प्रक्रिया व अमेंडमेंट पर वोटिंग प्रक्रिया पर पर मैं नजर रखी। मैंने लगातार 16 घंटे संचार माध्यमों से जुड़ा रहा, क्योंकि ऐसे विषय पर लाइव देखकर रिपोर्टिंग बनाना मेरी रुचि रही है। मैंने देखा कि विपक्ष व पक्ष के सदस्यों ने ध्रुवीकरण बोलने पर विशेष ध्यान दिया विपक्ष के नेताओं ने ध्रुवीकरण पर आरोप प्रत्यारोप लग रहे थे बहस के दौरान मैंने एक बात देखी कि एक सदस्य वाली पार्टी को भी बोलने का अधिकार दिया गया था, जिसमें चंद्रशेखर, पप्पू यादव, असदुद्दीन ओवैसी भी शामिल थे। ओवैसी साहब ने बिल को फाड़ने की बात तो की,लेकिन बिल को फाड़ नहीं पाए बल्कि दो भागों को स्टेपलर की पिन खोलकर अलग किया। बहस पूरी हो जाने के बाद जेपीसी अध्यक्ष ने उसका जवाब दिया, फिर अंत में अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री ने बहस का जवाब दिया। मैंने महसूस किया कि पक्ष और विपक्ष दोनों ही पूरी तैयारी के साथ बहस में शामिल होने,बहस की प्रक्रिया हो जाने के बाद माननीय सदस्यों द्वारा 100 से अधिक संशोधनों जो दर्ज कराए गए थे, उसमें तीन संशोधन की वोटिंग मशीन से वोटिंग हुई व बाकी 100 से अधिक संशोधनों को ध्वनि मत से जिसमें करीब-करीब विपक्ष के सभी संशोधन खारिज कर दिए गए। विशेष बात यह रही कि मैं पिछले 10-12 सालों में मैंने रात्रि 2-3 बजे तक संसद चलने और विधेयक पारित होने की प्रक्रिया नहीं देखी थी। वक़्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 रात 1.56 बजे लोकसभा में पारित हुआ। विधेयक पर 1 घंटे 50 मिनट तक वोटिंग चली। विधेयक के समर्थन में 288 वोट पड़े, जबकि विरोध में 232 वोट पड़े। अनेक संशोधन में एक संशोधन पर इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से मतदान के बाद कुल 464 वोट दर्ज किए गए। विधेयक के पक्ष में 273 और विरोध में 191 मत पड़े। शुद्धि के बाद स्पीकर ओम बिरला आधिकारिक आंकड़ों का एलान करेंगे। लोकसभा संसद सदस्यों द्वारा दिए गए संशोधन में सबसे महत्वपूर्ण संशोधन बोर्ड में शामिल होने वाले 11 गैरमुस्लिम सदस्यों वाला संशोधन 288 के मुकाबले 231 मतों से गिर गया, यानि अब गैरमुस्लिम सदस्य बोर्ड में शामिल होंगे।वक़्फ (संशोधन) बिल 2025 आज ही उच्चसदन यानें राज्यसभा में पेश होगा उम्मीद है बहस के बाद इस सदन में भी वक़्त (संशोधन) बिल 2025 पारित हो जाएगा ऐसा मेरा मानना है। चूँकि संसद में 12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद वक़्त संशोधन बिल 2025 लोकसभा से पारित हो गया है,

इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेइस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वक़्फ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई, अंजाम तक आई। लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 232 के मुकाबले 288 मतों से यह बिल पारित किया गया तथा आज 3 अप्रैल को ही राज्यसभा सदन में भी पारित कर दिया जाएगा ऐसी संभावना है।

साथियों बात अगर हम वक्फ बिल पर लोकसभा में बहस के के बाद जेपीसी के अध्यक्ष द्वारा जवाब देने की करें तो उन्होंने कहा यदि बीजेपी चाहती तो इस विधेयक को सीधे संसद में पास करा सकती थी, लेकिन सरकार ने इसे जेपीसी को भेजने का फैसला किया ताकि अन्य दलों के साथ विस्तृत चर्चा हो सके। उन्होंने कहा कि यह सरकार की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता को दिखाता है कि उसने बिना किसी जल्दबाजी के इस विषय पर व्यापक विमर्श किया।उन्होंने असदुद्दीन ओवैसी द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को फाड़ने की बात को असंवैधानिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि ओवैसी इस बिल को असंवैधानिक बता रहे हैं, लेकिन असली असंवैधानिक हरकत तो उन्होंने खुद की है। पाल ने लोकसभा में कहा कि संसद में इस तरह से विधेयक को फाड़ना लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का अपमान है और यह संसदीय मयार्दाओं के खिलाफ है।

साथियों बात अगर हम 2 अप्रैल 2025 को हुए बिल पर चर्चा का जवाब रात्रि 12 बजेअल्पसंख्यक विभाग के मंत्री द्वारा जवाब देने की करें तो उन्होंने कहा, सरकार ने बुधवार को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। इसपर आधी रात तक लगभग 12 घंटे तक चर्चा हुई। अब सदन में वोटिंग हो रही है। पक्ष ने जहां बिल का समर्थन किया तो विपक्ष ने जोरदार हमला बोलते हुए इसे मुस्लिमों को हाशिए पर धकेलने वाला बताया। बिल पेश करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि पूर्ववर्ती यूपीए सरकार ने वक्फ कानून में बदलावों के जरिए इसे अन्य कानूनों से ऊपर कर दिया था, इसलिए इसमें नए संशोधनों की जरूरत पड़ी। गौरतलब है कि लोकसभा में संख्याबल के हिसाब से एनडीए की स्थिति मजबूत है, जिसके पास 294 सांसद हैं, जबकि बिल पास करने के लिए 272 वोटों की जरूरत है। साथियों बातें कर हम विधेयक का विरोध करने की करें तो, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ बिल पर बहस के दौरान कहा, इस बिल का असली मकसद मुसलमानों को जलील करना है। सरकार हमारे वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा जमाना चाहती है और हमारे धार्मिक अधिकार छीनना चाहती है। अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए उन्होंने सदन में कहा कि मैं इस बिल को फाड़ता हूं। उन्होंने इसे अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों पर सीधा हमला बताया और कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का उल्लंघन करता है। संसद में मदनी वक्फ संशोधन बिल पेश किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जमीयत उलमा-ए- हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असअद मदनी ने कहा कि संसद में पेश किया गया वक्फ से संबंधित यह बिल असंवैधानिक है और मूल अधिकारों का उल्लंघन करता है। सरकार अपनी संख्यात्मक बहुमत के बल पर इसे पारित कराने की कोशिश कर रही है।यह रवैया बहु संख्यकवादी मानसिकता पर आधारित है और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। इस बिल को जबरन संसद में लाया गया है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यकों के अधिकारों को छीनना है, जो किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। जिस तरह से यह बिल तैयार किया गया है और जिस मंशा व रवैये के साथ इसे पेश किया जा रहा है, वह मुसलमानों के खिलाफ एक नकारात्मक रुख को दशार्ता है। उन्होंने कहा,हम पहले ही कह चुके हैं कि पुराने कानून में सुधार की जरूरत थी, लेकिन इसके बजाय सरकार ने ऐसे संशोधन पेश किए हैं, जो समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें और जटिल बना रहे हैं।अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य के रूप में, मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि यह बिल पूरी तरह अस्वीकार्य है और हम इसे पूरी तरह खारिज करते हैं। इसके खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी और हम हर संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से इस अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

साथियों बात अगर हम सत्ताधारी पार्टी द्वारा विधेययक के समर्थन की करें तो, वक्फ बिल पर चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा के रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि वक्फ विधेयक के जरिए बोर्ड में पिछड़े मुसलमानों को जगह दी जा रही है तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर वक्फ की जमीन लूटी जा रही है तो संविधान अधिकार देता है कि उसे रोका जाना चाहिए। उनका कहना था कि वक्फ धार्मिक संस्था नहीं है और अगर इस संस्था को दान दी जाने वाली संपत्ति लूटी जा रही है तो सरकार इस पर चुप नहीं रह सकती है।

साथियों बात अगर हम वक़्फ (संशोधन) बिल लोकसभा में पारित होने की करें तो, वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा से पास हो गया। 12 घंटे से ज्यादा समय तक चली मैराथन चर्चा के बाद लोकसभा ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 पारित कर दिया। इस विधेयक के पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 वोट पड़े। स्पीकर ओम बिरला ने चर्चा पूरी होने के बाद वोटिंग करवाई। इस दौरान बिल के पक्ष में 288 वोट पड़े, वहीं विरोध में 232 वोट पड़े और इस तरह रात 2 बजे वक्फ संशोधन बिल लोकसभा से पास हो गया। इससे पहले सदन में गौरव गोगोई, औवैसी समेत कई सदस्यों की ओर से लाए गए संशोधन खारिज हो गए। साथियों बात अगर हम 2 अप्रैल 2025 को सुबह संसद में बिल पेश होने की करें तो केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री नें लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया। बिल पेश करने के बाद अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि इस विधेयक का धार्मिक व्यवस्था से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा, यह बिल धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए नहीं, बल्कि वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए लाया गया है।उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों की बेहतर देखरेख और डिजिटलीकरण के जरिए व्यवस्था को मजबूत करना है, न कि किसी की जमीन छीनना।बिल पर चर्चा शुरू करते हुए रिजिजू ने कहा कि वक्फ बिल पर दोनों सदनों की संयुक्त समिति के सदस्यों ने अपने- अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग ने इस बिल को लेकर अपने सुझाव दिए। इनमें कानून के जानकारों ने भी सुझाव दिए। मंत्री ने कहा कि ये पहली बार नहीं है जब वक्फ बिल में संशोधन हो रहा है। इससे पहले भी हुआ है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि वक़्फ संशोधन बिल 2025 की लड़ाई,अंजाम तक आई- लोकसभा में अर्ली मॉर्निंग 288/232 से बिल पारित - 3 अप्रैल को राज्यसभा से भी पारित होगा।12 घंटे की लंबी मैराथन बहस के बाद,वक़्फ संशोधन बिल 2025 लोकसभा में पारित।लोकसभा में लगातार 12 घंटे की बहस सुनने से लेकर अर्ली मॉर्निंग 4 बजे यह रिपोर्ट बनाना मेरे लिए रोमांचित अनुभव रहा।

संपादकीय

बुलडोजर पर प्रहार

उप्र के इलाहाबाद में बुलडोजर से घर ढहाने को सुप्रीम कोर्ट ने अमानवीय और अवैध करार देते हुए कहा कि इससे अदालत की आत्मा को झटका लगा है। उप्र सरकार को प्रत्येक परिवार को दस लाख रुपये का मुआवजा देने के साथ अधिकारियों को उनकी अत्याचारिता के लिए सबक सिखाने का आदेश दिया। पीठ ने कहा कि इस देश में आश्रय का अधिकार, कानून की उचित प्रक्रिया और कानून का शासन जैसी कोई चीज है। आवासीय परिसरों को मनमाने तरीके से ध्वस्त करने पर विकास अधिकारियों को यह याद रखने को कहा कि आश्रय का अधिकार मौलिक अधिकार है और संविधान के अनुच्छेद 21(जीवन व स्वतंत्रता) का अभिन्न अंग है। सभी छह याचिकाकर्ता इलाहाबाद के लूकरगंज के निवासी हैं जिनके घर मार्च, 2021 में बुलडोजर से ध्वस्त किए गए थे। उनका कहना है कि स्थानीय अधिकारियों ने गलत धारणाओं के आधार पर घर गिराया कि वे माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की संपत्तियां हैं। शीर्ष अदालत ने अंबेडकरनगर जिले में बुलडोजर कार्रवाई का भी हवाला दिया। झोपड़ियों को ध्वस्त किए जाने पर कहा कि वह बहुत परेशान करने वाला और चौंकाने वाला है। उप्र सरकार के वकील ने दलील दी कि ये मकान अवैध थे इसलिए ध्वस्त किए गए। इनके साथ अन्य संपत्तियां भी ढहाई गई। हैरत है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने तोड़-फोड़ की इस कार्रवाई के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी थी। राज्य सरकार का दावा था कि बुलडोजर कार्रवाई पेशेवर अपराधियों और माफिया के खिलाफ की गई। इस हकीकत के बावजूद सरकारी तंत्र को उचित नोटिस देने के साथ ही रहवासियों को कागजात दिखाने और मालिकाना साबित करने का वक्त देना चाहिए था।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो।

जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर।

संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है। तुम्हें जुकाम हुआ। वह जरा ठीक हुआ नहीं कि फिर कमर में दर्द शुरू हो गया। फिर यह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशान्त हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियां पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।

ट्रंप के टैरिफ का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखेगा जल्द असर

डॉ हिदायत अहमद खान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ मामले में जो कहा वह करके दिखला दिया है। इसे लेकर दुनियां के अनेक देश दोस्ती और दुश्मनी वाला फामूर्ला तलाशने में लग गए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रंप के टैरिफ से किसे क्या नुक्सान और क्या फायदा होगा, लेकिन इतना तो तय है कि ट्रंप ने एक बार फिर अपनी व्यापारिक नीतियों से वैश्विक बाजार में हलचल मचा दी है। हाल ही में उन्होंने चीन, भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत कई देशों पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। चीन पर 34 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अलावा, भारत से अमेरिका में आयात होने वाले सामानों पर 26 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की घोषणा की गई। ट्रंप का कहना है कि यह कदम अमेरिका की आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है। जहां तक भारत की बात है तो ट्रंप ने यहां के लिए 26 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा करते हुए दावा किया कि भारत अमेरिकी आयात पर 52 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। हालांकि, भारतीय व्यापार नीति और अमेरिकी निर्यात पर लगाए गए करों का विश्लेषण करने पर यह आंकड़ा अतिशयोक्तिपूर्ण प्रतीत होता है। इसलिए यदि यह कहा जा रहा है कि ट्रंप की यह नई घोषणा भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को प्रभावित कर सकती है, तो गलत नहीं है। देखने वाली बात तो यह भी है कि जिस तरह से ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको को लेकर बयान दिए थे, उसके बाद यही कहा जा रहा था कि इन देशों पर सौ फीसद टैरिफ लगाया जा सकता है, लेकिन इसके उलट व्हाइट हाउस ने कनाडा और मैक्सिको को इस टैरिफ से छूट दे दी। इसकी वजह इन दोनों देशों के साथ अमेरिका के मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते लागू होने को बताया जा रहा है। मतलब यह हुआ कि ट्रंप बयान कुछ देते हैं और नीति कुछ और लागू करते हैं, जिसका उदाहरण ये दो देशों को टैरिफ से छूट और भारत को दोस्त बताने के बावजूद टैरिफ में शामिल करना है। इस स्थिति में ट्रंप के अन्य देशों पर लगाए गए नए शुल्क वैश्विक व्यापार पर महत्वपूर्ण असर डालने वाले साबित हो सकते हैं, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था अस्थिर हो सकती है।

ट्रंप की नई टैरिफ नीति के चलते वैश्विक व्यापारिक संतुलन बिगड़ सकता है। विचार करने वाली बात है कि कोविड-19 महामारी के बाद से दुनिया की अर्थव्यवस्था अभी बमुश्किल संभलने का प्रयास कर रही थी कि यह नया झटका निवेशकों की चिंता बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। यह टैरिफ वैश्विक व्यापारिक वृद्धि को धीमा कर सकते हैं, कॉर्पोरेट आय पर असर डाल सकते हैं और महंगाई बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं हुआ कि अमेरिका दुनियां के अन्य देशों से हटकर मंदी की मार से बच रहेगा। बल्कि इसका बुरा असर उस पर भी पड़ेगा। इसका आंकलन करते हुए ही इंफ्रास्ट्रक्चर कैपिटल एडवाइजर्स के सीईओ जय हैटफील्ड कहते हैं, कि यह सबसे बुरी स्थिति है, जिसकी बाजार को उम्मीद थी। अमेरिका को मंदी में धकेलने के लिए यह टैरिफ काफी हैं, और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी। इसी प्रकार नोमूरा रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रमुख अर्थशास्त्री ताकाहिदे कियुची ने भी ट्रंप की इस नीति को ग्लोबल फ्री ट्रेड के लिए खतरा बताया है। उनका मानना है कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अमेरिका ही वैश्विक मुक्त व्यापार का नेतृत्व कर रहा था, लेकिन इस तरह के टैरिफ से यह प्रणाली बुरी तरह प्रभावित होगी। ऐसे में भारत समेत दुनियां के अनेक देशों के लिए यह नई टैरिफ नीति चिंता का विषय बनी हुई है। भारतीय निर्यातकों को डर है कि इससे उनके उत्पादों की अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धात्मकता घट जाएगी। अगर अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया, तो भारतीय व्यापारियों को अपने उत्पादों की कीमतें बढ़ानी पड़ेंगी, जिससे उनकी मांग कम हो सकती है। मांग घटने पर आपूर्ति घट जाएगी और उत्पादन पर विपरीत असर पड़ेगा। कंपनी व उद्योग जगत को खासा नुक्सान उठाना पड़ेगा। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका के ये कड़े कदम वैश्विक व्यापार युद्ध को और भड़का सकते हैं। यूरोपीय संघ और चीन जैसे बड़े व्यापारिक साझेदार अमेरिका की इस नीति के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगा सकते हैं, जिससे वैश्विक व्यापार और अधिक जटिल हो सकता है। कुल मिलाकर ट्रंप के टैरिफ से केवल भारत ही नहीं बल्कि दुनियां के अन्य देश भी बुरी तरह प्रभावित होंगे, जिससे अमेरिका खुद भी अछूता नहीं रह पाएगा।

अब यदि अमेरिका ने अपनी टैरिफ नीति में नरमी नहीं दिखाई, तो भारत को इसका संतुलित जवाब तो देना ही होगा। गौर करने वाली बात यह है कि भारत अमेरिका से कई महत्वपूर्ण तकनीकी और रक्षा उपकरण आयात करता आया है, और यदि यह व्यापार प्रभावित हुआ तो इससे दोनों देशों के संबंधों पर भी असर पड़ सकता है। इससे पहले भी, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार विवाद सामने आए हैं। जैसे कि 2019 में ट्रंप प्रशासन ने भारत को ह्यजनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेसह्न से बाहर कर दिया था, जिससे भारत को अमेरिका में व्यापारिक छूट मिलना बंद हो गई थी। अब नए टैरिफ के चलते व्यापारिक रिश्ते और अधिक जटिल होने की आंशका है। डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ दुनिया के व्यापारिक संतुलन को बदल सकते हैं। जहां अमेरिका इसे अपनी आर्थिक स्वतंत्रता की घोषणा मान रहा है, तो वहीं भारत और अन्य देश इसे व्यापारिक संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाला कदम बता रहे हैं। बावजूद इसके टैरिफ पर अमेरिका से लगातार बातचीत होनी चाहिए और व्यापारिक रिश्तों को बचाए रखने के साथ व्यापार को सुगम बनाने की पहल होती रहनी चाहिए। क्योंकि बिना बातचीत के यदि अन्य देश भी जवाबी टैरिफ लगाने जैसा सख्त कदम उठाते हैं, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर मंदी के बादल और गहरा सकते हैं। इस मामले में वाकई अमेरिका को नरमी दिखाने की आवश्यकता है।

संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की निःस्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बन रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वही संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार-चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया गया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा।

यह सर्वविदित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र,ज छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। आने वाले समय में भाजपा के लिये संघ का सहयोग पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करने एवं जड़े जमाने में मील का पत्थर साबित होगा। इन राज्यों में संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है। यानी दोनों अब सामंजस्य, सहयोग व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात भाजपा अब अपने वैचारिक एवं ऊर्जा स्त्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। मोदी की नागपुर यात्रा के अनेक शुभ संकेत देखे जा रहे हैं, इसको औरंगजेब, राणा सांगा, संभल विवाद के बीच हिन्दुत्व की राजनीति को नई धार देने की कोई योजना के साथ जोड़कर भी देखा जा रहा है, नरेन्द्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की इस मुलाकात को 2029 के चुनावों की कोई नई पटकथा तैयार करने की पृष्ठभूमि में भी देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने संघ के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। मोदी दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। उन्होंने दीक्षाभूमि की सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपनों के भारत को साकार करने के लिए और भी अधिक मेहनत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया। मोदी की ओर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान संघ की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आये बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मोदी ने संघ की ह्यराष्ट्र निर्माण और विकास में रचनात्मक भूमिकाह्न को रेखांकित करके अपनी ह्य2047 तक विकसित भारतह्न की योजनाओं में संघ की भूमिका के महत्व को भी दशार्या है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में ह्लमहत्वपूर्ण भूमिकाह्व निभाने के लिए भी स्वयंसेवकों को श्रेय दिया था। इसके अलावा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को भी हटा दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जीवन-संकल्पों एवं विचार-ऊर्जा के जिस आंगन में आठ वर्ष की आयु में कदम रख कर जीने की कला सीखी।

अदालत ने आप नेता आतिशी, संजय सिंह के खिलाफ दायर मानहानि मामले को खारिज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले को खारिज कर दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने दीक्षित की शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा, ''मुझे शिकायतकर्ता को बदनाम करने के लिए कोई आरोप नहीं दिखता। यह अदालत संज्ञान लेने से इनकार करती है।'' न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की ओर से समन-पूर्व दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रखा था। मानहानि की शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आप के दोनों नेता ''जानबूझकर दीक्षित की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं।'' शिकायतकर्ता के अनुसार, एक प्रेसवार्ता में आतिशी और सिंह ने आरोप लगाया कि दीक्षित ने न केवल ''भाजपा से करोड़ों रुपये लिए, बल्कि कांग्रेस ने भी आप को हराने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के साथ मिलीभगत की।''

दिल्ली हवाई अड्डे पर पोलैंड के फर्जी वीजा मामले में हरियाणा निवासी एजेंट गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने विदेश यात्रा का प्रयास कर रहे लोगों के लिए पोलैंड के फर्जी वीजा की व्यवस्था करने वाले हरियाणा के 36 वर्षीय एक एजेंट को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान गगनदीप सिंह के रूप में हुई है। वह 2021 में दर्ज वीजा धोखाधड़ी के एक मामले में वांछित था। अधिकारी ने बताया कि इसी मामले में एक अन्य एजेंट कुलविंदर की गिरफ्तारी के बाद से वह फरार था। अधिकारी ने कहा कि कुरुक्षेत्र का रहने वाला गगनदीप एक आदतन अपराधी है, जो दिल्ली हवाई अड्डे पर वीजा धोखाधड़ी के दो अन्य मामलों में शामिल था। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (आईजीआई हवाई अड्डा) उषा रागनानी ने कहा, '6 सितंबर, 2021 को पंजाब के दो यात्री चंद्र प्रकाश (22) और सरबजीत (23) पोलैंड के लिए उड़ान भरने के इरादे से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे। आव्रजन मंजूरी के दौरान अधिकारियों ने उनके पासपोर्ट पर पोलैंड का फर्जी वीजा चिपका हुआ पाया।' आईजीआई हवाई अड्डा थाने में बीएनएस की धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (जालसाजी), 471 (जाली दस्तावेजों को असली दस्तावेजों के तौर पर इस्तेमाल करना) और पासपोर्ट अधिनियम की धारा 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान दोनों यात्रियों ने खुलासा किया कि उन्होंने कुलविंदर को 3-3 लाख रुपये दिए थे, जिसने पोलैंड के रास्ते पुर्तगाल की उनकी यात्रा को सुविधाजनक बनाने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि कुलविंदर ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनके जाली वीजा और यात्रा टिकटों का इंतजाम किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि जांच के बाद सितंबर 2021 में कुलविंदर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने कुलविंदर के प्रमुख सहयोगी गगनदीप की पहचान की। उन्होंने बताया कि गगनदीप के ज्ञात ठिकानों पर कई छापे मारे गए, लेकिन वह गिरफ्तारी से बचता रहा। रागनानी ने बताया कि पुलिस को गगनदीप के अमृतसर में होने का पता चला, जहां उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गगनदीप ने लगातार पूछताछ के दौरान धोखाधड़ी में अपनी भूमिका कबूल की। उन्होंने बताया कि उसने स्वीकार किया कि वह कई वर्षों से एजेंट के रूप में काम कर रहा था और विदेश में नौकरी के अवसर तलाश रहे व्यक्तियों को ठगने के लिए कुलविंदर के साथ मिलीभगत की थी।

दक्षिण पश्चिम दिल्ली में अवैध रूप से रह रहा बांग्लादेशी पकड़ा गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के महिपालपुर इलाके में कथित तौर पर अवैध रूप से रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान मोहम्मद सदीकुर रहमान (25) के रूप में हुई है, जो इलाज के लिए भारत आया था, लेकिन वीजा की अवधि समाप्त होने के बावजूद देश में गैर कानूनी तरीके से रह रहा था। उन्होंने बताया, ''एक गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने होटल बदल-बदल कर रह रहे रहमान को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने वीजा की अवधि समाप्त होने के बावजूद अवैध रूप से देश में रहने की बात स्वीकार की।'' अधिकारी ने बताया कि कानूनी औपचारिकताओं के बाद रहमान को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) निर्वासन केंद्र भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि और अधिक अवैध प्रवासियों का पता लगाने और निर्वासित करने के लिए अभियान जारी है।

चोरी के आठ वाहनों के साथ दो चोर पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। विकास पुरी थाना पुलिस ने 31 मार्च को दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों सुमित कुमार पांडे और मुकुल त्यागी के पास से चोरी की तीन बाइक और पांच स्कूटी बरामद की गई है। विकासपुरी थाने की पुलिस 31 मार्च की रात गश्त पर थी। रात आठ बजे टीम को अरुणोदय अपार्टमेंट के पास विकास पुरी की ओर से आते दो स्कूटी सवार दिखे। पुलिस ने उन्हें रोककर स्कूटी के दस्तावेज मांगे, तो पता चला कि वाहन चोरी का है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उनकी निशानदेही पर विकासपुरी के ई ब्लॉक और ए-ब्लॉक पार्क की झाड़ियों में छिपाकर रखे गए चोरी के अन्य वाहन बरामद हुए।

झपटमारी करने वाले चार बदमाश धरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैंट थाना पुलिस ने 2 मार्च को एक युवक से झपटमारी करने वाले चार बदमाशों को छह घंटे में गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में दो नाबालिग भी शामिल हैं। आरोपियों हिमांशु और कुणाल पास से मोबाइल फोन, 1200 रुपये नकद और स्कूटी बरामद हुई है। पीड़ित रवि पाल ने बीते मंगलवार को दिल्ली कैंट थाने में झपटमारी की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि स्कूटी सवार चार लोगों ने उससे मोबाइल और पर्स लूट लिया है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की जांच की तो आरोपियों की पहचान हो गई।

विधानसभा के बजट सत्र में सीएजी की छह रिपोर्ट और वार्षिक बजट पेश हुआ: विधानसभा अध्यक्ष

-सदन की कार्रवाई 27 घंटे 56 मिनट चली, सीएजी की रिपोर्टों पर पांच घंटे 32 मिनट तक चर्चा हुई

-ध्यानाकर्षण का नोटिस देकर सदन से नदारद रहे कुलदीप कुमार से आने वाले सत्र में जवाब लिया जाएग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आठवीं विधानसभा के दूसरे सत्र में सीएजी की छह रिपोर्ट और वार्षिक बजट पेश हुआ। उन्होंने कहा कि विधानसभा का दूसरा सत्र 24 मार्च को शुरू हुआ और 2 अप्रैल को सदन अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने बजट सत्र के समापन के बाद गुरुवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन की कुल सात बैठकें हुईं। इन सात बैठकों के दौरान सदन की कार्यवाही 27 घंटे 56 मिनट तक चली। इस दौरान वार्षिक बजट पेश किया गया और पास किया गया, सीएजी की छह रिपोर्ट पेश की गई और कई अन्य महत्त्वपूर्ण कार्य निपटाए गए। लंबित कार्य निपटाने के लिए सदन की बैठकें दो दिन अर्थात 01 और 02 अप्रैल 2025 तक बढ़ाई गई।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने 25 मार्च 2025 को वार्षिक बजट पेश किया। एक लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक बजट पेश करने के लिए वह दिल्ली सरकार की सराहना करता हैं। इस बजट का उद्देश्य निकट भविष्य में दिल्ली का सर्वांगीण विकास करना है। 26 और 27 मार्च 2025 को बजट पर सात घंटे 13 मिनट तक चर्चा हुई और 36 सदस्यों ने बजट पर चर्चा में भाग लिया, जो अपने आप में उल्लेखनीय है। यह बजट पर चर्चा के लिए समर्पित सबसे लंबी अवधि थी तथा इसमें अधिकतम सदस्यों ने भाग लिया।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि तत्कालीन दिल्ली सरकार के वर्ष 2021-2022 और 2022-2023 के वित्त खाते और विनियोग खाते तथा दिल्ली परिवहन निगम और वाहन प्रदूषण पर मुख्यमंत्री ने सीएजी की छह रिपोर्ट सदन के पटल पर प्रस्तुत की। 26 सदस्यों ने इन रिपोर्टों पर चर्चा में भाग लिया। चर्चा पांच घंटे 32 मिनट तक चली।

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से विपक्षी सदस्यों ने इन चर्चाओं में भाग नहीं लिया। मुझे लगता है कि उन्होंने इन रिपोर्टों पर अपने विचार प्रकट करने का एक अच्छा मौका खो दिया, जिन रिपोर्टों को उन्होंने कई वर्षों तक दबा कर रखा था। लोक लेखा समिति (पीएसी) और सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति (सीओजीयू) का गठन किया जा चुका है और उन्हें उम्मीद है कि समितियां रिपोर्टों की गहन जांच करने के बाद तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश कर देंगी।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन ने एक अप्रैल को दिल्ली के कुछ हिस्सों में कथित रूप से लगातार बिजली कटौती के संबंध में ध्यानाकर्षण के नोटिस पर विचार किया गया। विपक्ष के सदस्य कुलदीप कुमार ने इस संबंध में नोटिस दिया था लेकिन जब इस विषय पर सदन में विचार किया गया, उस समय कुलदीप कुमार सदन में मौजूद ही नहीं थे। इसके अलावा विपक्ष के अन्य सदस्य

भी सदन से नदारद थे। इसके बावजूद सदन में ध्यानाकर्षण को विचार के लिए लिया। कुल आठ सदस्यों ने 58 मिनट तक अपने विचार व्यक्त किए और मंत्री आशीष सूद ने अपना विस्तृत वक्तव्य दिया।

उन्होंने कहा कि ध्यानाकर्षण का नोटिस देने के बाद विचार के समय विधानसभा परिसर में होने के बाद भी कुलदीप कुमार सदन में मौजूद नहीं हुए। यह एक गंभीर मामला है और इसका जवाब आने वाले सत्र में लिया जाएगा।

नाबालिगों के पास कानून के तहत स्वतंत्र अधिकार: हाईकोर्ट

-पीठ ने कहा, कानूनी व्यवस्था को माता-पिता की हरकतों की परवाह किए बिना बच्चों की सुरक्षा करनी चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय में गुरुवार को एक पॉक्सो मामले की सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति स्वर्णकांत शर्मा की पीठ ने कहा कि नाबालिगों के पास कानून के तहत स्वतंत्र अधिकार हैं, जिन्हें सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि उनके माता-पिता ने आपस में ही विवादों को सुलझाने का फैसला किया है।

हाल ही में पारित एक आदेश में पीठ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कानूनी व्यवस्था हर बच्चे के अधिकारों को प्राथमिकता देती है, यह सुनिश्चित करते हुए कि जब माता-पिता उनके साथ खड़े होने में विफल होते हैं, तब भी न्यायपालिका का यह गंभीर कर्तव्य है कि वह उनके अधिकारों की रक्षा करे और कानून के अनुसार न्याय करे। एक नाबालिग लड़की ने अपने पिता पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। घटना की सूचना अधिकारियों को न देने के लिए मां के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। इस बीच पीड़िता की मां ने अपने पति के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसे बाद में उनके बीच सुलझा लिया गया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने आरोपी पिता की जमानत अर्जी खारिज कर दी, जिसमें उसने यह तर्क दिया कि शिकायत बदले की भावना से की गई थी या मां ने अपनी बेटी का इस्तेमाल वैवाहिक विवादों को निपटाने या पैसे ऐंठने के लिए किया था। पीठ ने कहा कि यह मामला एक बहुत ही दुखद और गंभीर स्थिति को उजागर करता है, जहां एक नाबालिग पीड़िता ने कथित तौर पर न केवल अपने माता-पिता के बीच चल रहे विवादों के आघात को सहन किया है, बल्कि अपने ही पिता द्वारा यौन उत्पीड़न के दर्दनाक अनुभव को भी झेला है। पीठ ने कहा कि पीड़िता अपने माता-पिता के बीच कलह और यौन हिंसा के कथित कृत्यों से जूझ रही है।

हैदराबाद केंद्रीय विवि की भूमि नीलामी के विरोध में एबीवीपी ने पर्यावरण मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सचिव श्रवण बी. राज और शिवांगी खारवाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की। हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय की चार सौ एकड़ भूमि के अतिक्रमण व नीलामी के मुद्दे पर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने पर्यावरण मंत्रालय से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की, ताकि विश्वविद्यालय की जैव विविधता, वनस्पतियों और जीवों को अतिक्रमण से बचाया जा सके।

इस संदर्भ में अभाविप ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार की मनमानी और छात्रों की आवाज को दबाने के प्रयासों की कड़ी निंदा की। परिषद ने स्पष्ट किया कि शिक्षा और अनुसंधान के लिए समर्पित इस भूमि का निजी कंपनियों को सौंपा जाना न केवल अनुचित और निंदनीय है बल्कि इससे क्षेत्र की पारिस्थितिकी संतुलन को भी गहरी क्षति पहुंचेगी।

यह चार सौ एकड़ भूमि घने हरित क्षेत्र, दुर्लभ वनस्पतियों और जीव-जंतुओं का आश्रय स्थल है। जहां 734 प्रकार की वनस्पतियां, 220 प्रकार की पक्षी प्रजातियां और संकटग्रस्त भारतीय स्टार कछुआ जैसे जीव पाए जाते हैं। इस क्षेत्र में

मौजूद 'पीकॉक लेक' और 'बफैलो लेक' स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में सहायक हैं। इसके अलावा हैदराबाद की भूवैज्ञानिक धरोहर का प्रतीक 'मशरूम रॉक' भी इसी भूमि का हिस्सा है।

अभाविप द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में कई प्रमुख मांगें सम्मिलित हैं, जिनमें पर्यावरण मंत्रालय द्वारा त्वरित हस्तक्षेप कर जंगलों की कटाई से हो रहे भूमि क्षरण को रोकना, हैदराबाद की पारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न अंग मानी जाने वाली समृद्ध वनस्पतियों और जीवों का संरक्षण सुनिश्चित करना, विश्वविद्यालय परिसर में रहने वाली संकटग्रस्त प्रजातियों को बचाना और अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना आदि उल्लेखित है। इस क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय संपत्ति के रूप में मान्यता देने की मांग भी उठाई गई।

अभाविप के राष्ट्रीय सचिव श्रवण बी. राज ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार ने अपने स्वार्थों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण शुरू कर दिया है। निजी संस्थाओं को लाभ पहुंचाने के लिए अवैध कार्यों को अंजाम दे रही है। सरकार ने पहले ही बुलडोजर लगाकर शहरी जंगल को नष्ट करने का कार्य आरंभ कर दिया है। जिससे क्षेत्र की पारिस्थितिक संतुलन और पर्यावरणीय स्थिरता को गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

बी.राज ने बताया कि आज हमारे प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात कर इस अवैध अतिक्रमण को तत्काल रोकने और हैदराबाद क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

एबीवीपी की राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खारवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर के भीतर स्थित प्राकृतिक आवास पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे समय में जब पूरी दुनिया 'ग्लोबल वार्मिंग' और पर्यावरणीय क्षरण जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि इस हरित क्षेत्र का विनाश न केवल स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करेगा, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी गंभीर संकट पैदा करेगा।

शिवांगी खारवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि तेलंगाना सरकार ने विश्वविद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण करने की साजिश रची है। इसलिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद लगातार इस मुद्दे पर संघर्षरत है। छात्र समुदाय की आवाज को बुलंद कर रही है। हम तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे, जब तक कि सरकार विश्वविद्यालय की भूमि और इस जंगल में रहने वाले निर्दोष जीव-जंतुओं को नष्ट करने की अपनी योजना को पूरी तरह छोड़ नहीं देती।

दिल्ली में मुफ्त बस सफर के लिए 2 शर्तें लगाने जा रही रेखा गुप्ता सरकार, रजिस्ट्रेशन भी जल्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मुफ्त बस सफर की सुविधा पर रेखा गुप्ता सरकार दो अहम शर्तें लगाने जा रही है। राजधानी में मुफ्त बस यात्रा का लाभ अब उन्हीं महिलाओं को मिलेगा, जो दिल्ली की निवासी हैं। दूसरी शर्त यह है कि दिल्ली महिलाओं को भी इस सुविधा का लाभ लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसका मतलब है कि यदि अन्य किसी राज्य की महिला दिल्ली में घूमने या अन्य किसी काम से आई है तो उसे बस में सफर के लिए टिकट का भुगतान करना होगा। यदि आप दिल्ली की रहने वाली हैं और रजिस्ट्रेशन करवाकर स्मार्ट कार्ड हासिल नहीं किया है तो आपको भी टिकट खरीदकर यात्रा करनी होगी। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली की महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा देने के लिए 'स्मार्ट कार्ड' जारी किया जाएगा, जो 'लाइफटाइम' वैध रहेगा। अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बसों में मुफ्त यात्रा के लिए स्मार्ट कार्ड पाने की इच्छुक महिलाओं के लिए जल्द ही रजिस्ट्रेशन शुरू करेगी। यह कदम मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र में पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर गुलाबी टिकट योजना के तहत भ्रष्टाचार का आरोप लगाने के कुछ दिनों बाद उठाया गया है। गुप्ता ने कहा था, 'हम महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं... भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम महिलाओं के लिए डिजिटल यात्रा कार्ड शुरू करेंगे, जो उन्हें सरकारी बसों में कभी भी स्वतंत्र रूप से मुफ्त यात्रा करने की सुविधा देगा, जिससे टिकट से जुड़ा 'गुलाबी भ्रष्टाचार' खत्म हो जाएगा।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि दक्षता बढ़ाने के लिए टिकट प्रणाली को पूरी तरह से डिजिटल किया जाएगा। गुप्ता ने कहा था कि संपूर्ण प्रणाली का आधुनिकीकरण किया जाएगा और पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा त्रुटिपूर्ण योजनाओं में सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा था, 'हमारा लक्ष्य दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुलभ, विश्वसनीय और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त बनाना है।' 'आप' ने 2019 में भाई दूज के अवसर पर गुलाबी टिकट योजना पेश की थी, जिसके तहत महिलाओं को दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान की जाती है। महिलाओं को गुलाबी टिकट के रूप में एकल यात्रा पास मिलते हैं, जिसमें दिल्ली सरकार प्रति टिकट 10 रुपये की लागत वहन करती है और जारी किए गए कुल टिकट के आधार पर बस कंपनियों को भुगतान करती है। अधिकारियों के अनुसार, भाजपा सरकार के अगले दो से तीन सप्ताह के भीतर स्मार्ट कार्ड पहल पर काम शुरू करने की उम्मीद है। उन्होंने पात्रता मानदंड के बारे में बताया कि स्मार्ट कार्ड केवल दिल्ली में रहने वाली महिलाओं को जारी किया जाएगा, जिससे उन्हें बिना किसी पाबंदी के कहीं भी, कभी भी यात्रा करने की सुविधा मिलेगी।

पिस्तौल दिखाकर लूटपाट करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। महरौली थाना पुलिस ने पिस्तौल दिखाकर लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों हैदर अली और मोहम्मद अनस के पास से पुलिस ने एक पिस्तौल और लूटा गया सामान बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, 25 वर्षीय शिकायतकर्ता बीते बुधवार को अपने चाचा से मिलने छतरपुर पहाड़ी पर जा रहा था। इसी दौरान अंधेरिया मोड़ बस स्टैंड के पास दो बदमाशों ने पिस्तौल दिखाकर उसका पर्स लूट लिया। जांच में आरोपियों की पहचान हैदर और अनस के रूप में हुई। इस पर पुलिस ने बुधवार को दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

पहले चार करोड़ की रंगदारी मांगी, फिर घर पर की फायरिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। जगतपुरी इलाके के कुख्यात बुकी से चार करोड़ की रंगदारी नहीं मिलने पर बुधवार तड़के बाइक सवार दो बदमाशों ने उसके घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। बुकी और उसके परिजन ने रंगदारी मांगने का आरोप लॉरेंस विश्नोई गैंग पर लगाया है। जगतपुरी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। सूत्रों ने बताया कि बीते माह जगतपुरी इलाके में रहने वाले मोनू सरदार को चार करोड़ रुपये की रंगदारी के लिए फोन आया था। आरोपियों ने रुपये न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। पीड़ित ने रंगदारी मांगने का आरोप लॉरेंस गिरोह पर लगाया है। रंगदारी का फोन आने के बाद मोनू भारत छोड़कर दुबई भाग गया। उसने मामले में कुछ पुलिसकर्मियों की संलिप्तता का भी आरोप लगाया है। मामले की जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल का सौंपी गई है।

इंस्पेक्टर पर फंसाने का आरोप- मोनू के घर फायरिंग की घटना के बीच उसका और उसके एक जानकार रूबल का ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। रूबल बातचीत के दौरान मोनू से कह रहा है कि शाहदरा जिले में तैनात एक इंस्पेक्टर उसे जबरन फंसा रहा है। उसके खिलाफ फर्जी केस दर्ज करने की तैयारी है। ऑडियो में मोनू बोल रहा है कि एक पुलिसकर्मी उसे बार-बार फोन कर मिलने के लिए बुला रहा है। सूत्रों ने बताया कि रूबल ने एक शिकायत पुलिस को दी थी। जिसमें कुछ लोगों के नाम थे। पुलिस ने इस मामले में पूछताछ के लिए मोनू को बुलाया था।

स्पेशल सेल कर रही जांच- रंगदारी मांगने के मामले में मोनू की शिकायत पर जगतपुरी थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। सूत्रों की माने तो इस मामले में पुलिसकर्मियों पर आरोप लगाने के बाद विवाद बढ़ गया। जिसके बाद मामले की जांच दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सौंप दी गई। फिलहाल स्पेशल सेल की टीम सीसीटीवी फुटेज की जांच के साथ रूबल, मोनू सहित कई लोगों की सीडीआर भी खंगाल रही है।

ट्रैफिक जंक्शन प्वाइंट पर लगाए जाएंगे 500 नए कैमरे : सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी दिल्ली में 500 नए कैमरे लगाए जाने की बात कही है। सीएम ने बताया कि इन कैमरों के जरिए राजधानी में पलूशन के स्तर को बढ़ने से रोकने में मदद मिलेगी। इसके लिए हमने पूरा प्लान तैयार कर लिया है, जिसे उन्होंने विधानसभा में बताया। सीएम ने कहा कि हमने ऐसी योजना बनाई है जिससे कैमरे लगाने में सरकार का एक भी रुपया खर्च नहीं होगा।

सीएम रेखा ने बताया कि दिल्ली में 500 नए कैमरे ट्रैफिक जंक्शन प्वाइंट पर लगाए जाएंगे। जब ये कैमरे इन जंक्शन पर लगेंगे, तो हमें कई तरह के लाभ मिलेंगे। इससे वो व्हीकल (गाड़ियां) दिख जाएंगे जिनका टेन्योर खत्म हो गया है। पलूशन फैलाने वाले व्हीकल के बारे में भी जानकारी मिल जाएगी। इसमें और भी कई तरह की समस्याओं का पता चलेगा। इससे प्रत्यक्ष-

अप्रत्यक्ष तौर पर पूरे वायु प्रदूषण में मदद मिलेगी।

विधानसभा में सीएम रेखा ने बताया कि 500 कैमरों को लगाने में सरकार का एक भी रुपया खर्च नहीं होगा। इसके लिए हम पीपीपी मॉडल को लेकर आएंगे। हमने एजेंसी को इन्वाइट भी कर लिया है। इसके लिए बिट भी आनी शुरू हो गई है। पीपीपी मॉडल का मतलब- पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप होता है। सरकार और निजी क्षेत्र का ऐसा समझौता, जहां दोनों मिलकर किसी पब्लिक योजना या सेवा को देने के लिए अपसी सहयोग करते हैं। इसमें जोखिम और लाभ दोनों आपस में शेयर किए जाते हैं।

आपको बताते चलें कि सर्दियां आते ही राजधानी दिल्ली पलूशन का अड्डा बन जाती है। पराली दहन, गाड़ियों का प्रदूषण, मौसम की बदलती प्रवृत्तियां, लोगों द्वारा आग जलाना, दिवाली-क्रिसमस-न्यूईयर पर पटाखे चलाने जैसे कई कारक जिम्मेदार होते हैं। हालांकि, अन्य मौसमों में भी कमोबेश यही हाल रहता है। और एअर क्वालिटी इंडेक्स अन्य जगहों की तुलना में ऊपर ही बना रहता है।

दिल्ली में बिजली कटौती पर 'आप' कार्यकर्ताओं ने किया भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में हाल ही में बढ़ते बिजली कटौती के संकट को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। गुरुवार को आईटीओ, कालकाजी, आईएसबीटी और बुराड़ी समेत दिल्ली के कई इलाकों में 'आप' कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और 'भाजपा आई - बिजली गई' के पोस्टर लगाकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

अरविंद केजरीवाल ने 'एक्स' पर लिखा, 'बिजली-पानी की भारी किल्लत के बाद अब अस्पतालों से दवाइयां भी गायब हैं। सरकारी अस्पतालों में गरीब लोग इलाज के लिए आते हैं और बिना दवाइयों के उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।'

आईएसबीटी पर विरोध प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप कुमार ने कहा, 'जब से भाजपा की डबल इंजन सरकार आई है, दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में लगातार दो से तीन घंटे के पावर कट हो रहे हैं।'

उन्होंने आरोप लगाया कि 10 साल तक दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सरकार के दौरान 24 घंटे निर्बाध बिजली मिलती थी, लेकिन भाजपा के सत्ता में आने के बाद बिजली संकट ने फिर से सिर उठा लिया है। कुलदीप कुमार ने आगे कहा कि भाजपा की सरकार दिल्ली ही नहीं, बल्कि देश के अन्य 20 राज्यों में भी है, लेकिन वह अब तक किसी भी राज्य में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित नहीं कर पाई।

उन्होंने कहा, 'अरविंद केजरीवाल की सरकार ने दिल्ली में 24 घंटे बिजली देने की व्यवस्था बनाई थी, लेकिन अब भाजपा सरकार उसे बर्बाद करने का काम कर रही है।'

विधायक कुलदीप कुमार ने चिंता जताई कि अभी गर्मी की शुरुआत में ही दिल्ली के कई इलाकों में लंबे-लंबे पावर कट हो रहे हैं, तो मई-जून की भीषण गर्मियों में बिजली आपूर्ति की स्थिति और खराब हो सकती है।

उन्होंने कहा, 'दिल्ली के लोग इनवर्टर और जनरेटर को भूल चुके थे, लेकिन अब भाजपा सरकार की नीतियों के कारण लोग फिर से इनवर्टर खरीदने को मजबूर हो रहे हैं।' आम आदमी पार्टी ने विधानसभा में भी इस मुद्दे को उठाया था और अब सड़कों पर भी विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। पार्टी ने साफ कहा कि दिल्ली में पावर कट की सरकार नहीं चलेगी। भाजपा को यह सुनिश्चित करना होगा कि दिल्ली के लोगों को 24 घंटे निर्बाध बिजली मिले।

दुनिया में सबसे ज्यादा भारतीय सऊदी अरब की जेलों में हैं बंद

– विदेश मंत्रालय ने कहा– 86 देशों में 10 हजार 152 भारतीय है कैद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में सबसे ज्यादा भारतीय सऊदी अरब की जेलों में बंद हैं। इस सूची में चीन समेत कई और देशों का नाम भी शामिल है। विदेश मंत्रालय की तरफ से संसदीय समिति को एक रिपोर्ट पेश की गई है, जिसमें भारत के बाहर जेलों में बंद भारतीयों की संख्या का ब्यौरा दिया गया है। ताजा मामला टेक महिंद्रा के अधिकारी अमित गुप्ता का है। उन्हें कतर में गिरफ्तार किया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्रालय ने बताया है कि 86 देशों में 10 हजार 152 भारतीय जेलों में बंद हैं। ऐसे भारतीयों की सबसे ज्यादा संख्या सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में है। इन दोनों ही क्षेत्रों में भारतीय कैदियों की संख्या 2 हजार से ज्यादा है। इसके अलावा बहरीन, कुवैत और कतर में भी बड़ी संख्या में भारतीय जेल में बंद हैं। इनके अलावा नेपाल में 1317, मलेशिया में 338, चीन में 173 है कैदी बंद हैं। चीन, कुवैत, नेपाल, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात उन 12 देशों में शामिल हैं, जहां 100 से ज्यादा भारतीय कैद हैं। इनमें से 9 देश ऐसे हैं, जो ट्रांसफर ऑफ सेंटेंस्ड पर्सन्स समझौते में शामिल है। इसके तहत दोषी पाए गए व्यक्ति को उसके मुल्क में सजा काटने के लिए भेजने की अनुमति दी जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते के बाद भी बीते तीन सालों में 8 कैदी भारतीय कैदियों को मुल्क वापस लाकर भारत की जेलों में रखा गया है। इनमें 3 ईरान, 3 ब्रिटेन, 2 कंबोडिया और 2 रूस से हैं। मंत्रालय का कहना है कि विदेश की जेलों से भारतीय नागरिकों की रिहाई या प्रत्यर्पण पर नियमित रूप से भारतीय मिशन काम कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया है कि भारतीय मिशन और पोस्ट विदेश की जेलों में बंद नागरिकों को कानूनी समेत हर संभव मदद मुहैया करा रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि संबंधित भारतीय दूतावास की तरफ से मदद हासिल भारतीय कैदियों से कोई भी फीस नहीं ली जाती है।

जयपुर जिला कलेक्ट्रेट में बम की सूचना, कलेक्टर की सरकारी आईडी पर धमकी का ईमेल

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर जिला कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी के बाद खाली करावाया गया। कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी की सरकारी आईडी पर धमकी का ईमेल आया था। गुरुवार सुबह 11:30 बजे मिले ईमेल की जानकारी कलेक्टर ने जयपुर पुलिस कमिश्नर को दी। इसके बाद आनन-फानन में पूरे परिसर से लोगों को बाहर किया गया। करीब 200 कमरों की जांच के लिए बम स्क्वॉड और इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (ईआरटी) को बुलाया गया। हालांकि, करीब 2 घंटे के सर्च के दौरान किसी भी एजेंसी को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर खड़े कर्मचारियों ने बताया कि सुबह सामान्य दिनों की तरह कामकाज चल रहा था। अचानक 11:30 बजे के आसपास शोर मचने लगा। सभी को परिसर खाली करने के लिए बोला गया। जब तक कॉम्प्लेक्स के बाहर पहुंचे, बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी अंदर पहुंचने लगे थे। बाहर आकर जानकारी मिली कि कलेक्टर के पास बम की धमकी का ईमेल आया है। इसके बाद से सभी लोग डरे हुए हैं। दोपहर 2 बजे तक भी बिल्डिंग परिसर में बम स्क्वॉड की टीमें मौजूद थीं। अधिकारियों ने बताया कि जब तक एजेंसी क्लीयरेंस नहीं दे देती, अंदर जाने की परमिशन नहीं दी जाएगी। धमकी भरे ईमेल में लिखा गया कि जयपुर कलेक्टर ऑफिस एक भयंकर आईडी पाइप बम के टारगेट पर है। यह कदम 2-जी मामले में सवुक्कु शंकर के साथ हुए अनुचित व्यवहार और सादिक बलवा की हिरासत में हुई मौत का बदला लेने के लिए उठाया गया है। बम वीकेंड पर पहले से ही आज के लिए लगा दिया गया है। जो अन्ना यूनिवर्सिटी एमआईटी कैंपस के मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में तैयार हुआ है। हमारा लक्ष्य जन्नत देखना है। कलेक्ट्रेट हमारे साथ नष्ट हो जाएगा! आज का ऑपरेशन पूरा होने के बाद शहीद हो जाएंगे। बिलाल-रियाज जो यह पढ़ रहे हैं। आज का दिन है। आप जानते हैं कि क्या करना है। यह हमारा अंतिम कम्युनिकेशन होगा।

लॉरेंस गैंग के 5 गुर्गे गिरफ्तार, 7 पिस्तौल और 21 जिंदा कारतूस बरामद

–मुंबई पुलिस को शक इन गुर्गो के निशाना पर कोई सेलिब्रिटी था

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अंधेरी इलाके से लॉरेंस गैंग के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 7 पिस्तौल और 21 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। पुलिस ने बुधवार को 2 अप्रैल को यह जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें शक है कि गैंग के निशाने पर कोई सेलिब्रिटी था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने लॉरेंस गैंग के सदस्यों को शनिवार को हिरासत में लिया गया था। उनके हथियार ले जाने के पीछे के मकसद की जांच की जा रही है। गिरफ्तार लोगों की पहचान विकास ठाकुर उर्फ विक्की, सुमित कुमार दिलावर, श्रेयस यादव, देवेंद्र सक्सेना और विवेक गुप्ता के रूप में हुई है। ये सभी राजस्थान, बिहार और यूपी के रहने वाले हैं। सुमित कुमार और विकास हिस्ट्रीशीटर हैं। लॉरेंस गैंग सलमान खान को धमकियां दे रहा है। ऐसे में गैंग के पांच सदस्यों की गिरफ्तारी और उनके पास से हथियार बरामद होने के बाद इसे सलमान खान की सुरक्षा के लिए बड़े खतरे के रूप में भी देखा जा रहा है। पुलिस गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर रही है कि उनके निशान पर कौन था।

मजीठिया ड्रग तस्करी मामले में नया मोड़

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के नशा तस्करी से जुड़े मामले में नया मोड़ आ गया है। मामले की जांच कर रही एसआईटी ने मोहाली कोर्ट में याचिका दायर करके सर्च वारंट मांगे हैं। वहीं, जैसे ही यह मामला मजीठिया के वकीलों को पता चला तो उन्होंने भी कोर्ट में याचिका दायर कर एसआईटी द्वारा दर्ज अर्जी की कॉपी मांगी। मजीठिया के वकीलों ने साथ ही कोर्ट में पूछा है कि कौन सी जगह की तलाशी लेनी है, इस बारे में जानकारी दी जाए। हालांकि सरकार की तरफ से पेश हुए वकीलों ने इस एप्लिकेशन को गलत बताया है। वहीं, इस मामले में अब 5 अप्रैल को बहस होगी।

सोनिया गांधी ने वक्फ संशोधन बिल को लेकर कहा- देश को रसातल पर ले जा रही सरकार, बिल जबरन पारित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी ने कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी (सीपीपी) की बैठक में कहा कि लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल को केंद्र सरकार ने जबरन पारित करवाया है। यह विधेयक संविधान पर हमला है और हमारे समाज को स्थायी रूप से तोड़ने की बीजेपी की सोची-समझी रणनीति का एक हिस्सा है।

इस अवसर पर सोनिया गांधी ने उपस्थित कांग्रेस सांसदों से कहा, कि मोदी सरकार देश को रसातल में ले जाने का काम कर रही है। वह संविधान पर हमला कर उसे ध्वस्त करना चाहती है। इस तरह से तो संविधान महज कागजों में रह जाएगा। वन नेशन-वन इलेक्शन बिल भी संविधान का उल्लंघन है, जिसका हम विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सांसद मोदी सरकार की भारत को निगरानी राज्य में बदलने की मंशा को उजागर करने का काम करें।

बहुचर्चित वक्फ संशोधन बिल सोमवार देर रात लोकसभा में पारित हो गया, जिससे भारतीय राजनीति में हलचल मच गई है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को इस बिल पर

तीखा प्रहार करते हुए इसे समाज को बांटने वाला और संविधान को कमजोर करने वाला करार दिया। कांग्रेस संसदीय समिति को संबोधित करते हुए सोनिया गांधी ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए और कहा, भाजपा ने इस बिल को लोकसभा में बुलडोजर से पारित किया है। सोनिया गांधी ने लोकसभा में बहस के दौरान विपक्षी सांसदों को अपनी बात रखने का मौका न मिलने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, यह बेहद चिंताजनक है कि विपक्षी सांसदों को अपनी बात कहने नहीं दी जाती। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने सत्ता पक्ष पर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप भी लगाया। सोनिया गांधी ने भाजपा के प्रस्तावित एक देश, एक चुनाव कानून का भी विरोध किया। उन्होंने इसे संविधान की मूल आत्मा के खिलाफ बताते हुए कहा कि कांग्रेस इस कानून को स्वीकार नहीं करेगी और इसे निरस्त करने की मांग करेगी।

नए संसद भवन पर टिप्पणी

सोनिया गांधी ने नए संसद भवन को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, अतीत में हम सहकर्मियों से मिल सकते थे, अन्य दलों के नेताओं से बातचीत कर सकते थे और मीडिया के साथ जुड़ सकते थे। लेकिन अब यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस रक्षा और विदेश मंत्रालयों के कामकाज पर चर्चा चाहती थी, लेकिन सत्ता पक्ष ने इसकी अनुमति नहीं दी। उन्होंने चीन द्वारा भारत की सीमाओं पर पेश की जा रही चुनौतियों और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 19 जून 2020 को दिए गए बयान की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, चीन से आयात में तेजी से वृद्धि हो रही है, जिससे हमारे एमएसएमई उद्योग नष्ट हो रहे हैं। यह अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक है।

यहां बताते चलें कि लोकसभा में बुधवार रात को वक्फ संशोधन बिल पास हो गया। रात 2 बजे की गई वोटिंग में 520 सांसदों ने भाग लिया, जिसमें 288 ने पक्ष में और 232 ने विपक्ष में वोट डाले।

ममता बनर्जी का बड़ा ऐलान - बीजेपी सरकार हटी तो वक्फ संशोधन विधेयक होगा रद्द

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा में पारित वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जब बीजेपी की सरकार केंद्र से हटेगी, तो इस वक्फ बिल को रद्द कर दिया जाएगा। ममता बनर्जी ने बीजेपी पर देश को बांटने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह विधेयक अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन करता है।

उन्होंने कहा, जब केंद्र में नई सरकार बनेगी, तब इस कानून में संशोधन किया जाएगा और इसे रद्द कर दिया जाएगा। यहां बताते चलें कि लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने इस बिल के खिलाफ मतदान किया। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने इस विधेयक को राज्यों के अधिकारों पर अतिक्रमण करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि संविधान संसद को इस संबंध में कानून पारित करने का अधिकार नहीं देता। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्ति मुस्लिम समुदाय की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का हिस्सा है। इसलिए राज्यों को इस पर निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए। गौरतलब है कि लोकसभा में बिल पास होने के बाद सरकार ने इसे राज्यसभा में पेश किया है। विपक्ष ने इस विधेयक को असंवैधानिक करार देते हुए सरकार से इसे वापस लेने की मांग की है। इस मुद्दे पर सियासी घमासान जारी है और आने वाले दिनों में इसे लेकर राजनीतिक दलों के बीच टकराव और बढ़ सकता है।

महिला समृद्धि योजना पर रेखा गुप्ता, जल्दबाजी में आप सरकार की तरह गलती नहीं करना चाहती

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में गरीब महिलाओं को 2500 रुपए मासिक आर्थिक सहायता का वादा करके सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आम आदमी पार्टी (आप) लगातार घेर रही है। नेता विपक्ष आतिशी की ओर से बार-बार रेखा सरकार से पूछा जा रहा है कि महिलाओं के खाते में पैसे कब आएंगे? इस बीच मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक इंटरव्यू में विस्तार से योजना पर बात कर बताया कि क्यों इसमें वक्त लग रहा है। मुख्यमंत्री रेखा ने कहा कि वह जल्दबादी में आप सरकार की तरह गलती नहीं करना चाहती हैं।

महिला समृद्धि योजना से जुड़े सवाल पर रेखा गुप्ता ने कहा, जब कोई सरकार बनती है, तब बजट आवंटन आवश्यक है, योजना की रूपरेखा, नियम बनाने पड़ते हैं। रजिस्ट्रेशन पूरा करना होता है और उसकी जांच होती है। यह एक ही बार पैसा देने की योजना नहीं है। हमें एक टिकाऊ रूपरेखा बनानी ताकि केवल योग्य लाभार्थियों को इसका लाभ मिले। आप सरकार ने योजनाओं की घोषणा कागजों पर की लेकिन एक साल से ज्यादा चला नहीं सकी। हम केजरीवाल सरकार वाली गलती नहीं करना चाहते हैं। रेखा ने कहा कि हमारी सरकार ने गरीब महिलाओं के लिए मदद का वादा किया। हमें सावधानीपूर्वक योग्यता की शर्तें तय करनी हैं ताकि दुरुपयोग को रोका जा सके, जैसा कि ईडब्ल्यूएस स्कीमों में होता कि फायदा अक्सर अयोग्य लोगों को मिल जाता है। कार्यान्वयन में समय लगता है, लेकिन हम अपने हर वादे को पूरा करने वाले है। सीएम ने कहा, हमें नियम और शर्तें बनानी हैं। हमें ऐसी रूपरेखा बनानी है कि सही लोगों को ही फायदा मिले।

गुप्ता ने आप पर पलटवार कर कहा कि उन्होंने पंजाब में इसी तरह का वादा किया लेकिन तीन साल बात भी लागू नहीं कर सके है। आलोचना करना उनका राजनीतिक खेल है और इसमें कोई वजन नहीं। उन्हें अपना रिकॉर्ड देखना चाहिए। उन्होंने दिल्ली में 10 साल पहले मुफ्त वाई-फाई देने का वादा किया था। मुझे बताइए दिल्ली के किस हिस्से में मुफ्त वाई-फाई है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए कोई विशेष तारीख देने से इंकार करते हुए कहा कि विधानसभा सत्र अभी समाप्त हुआ है और सरकार को अभी एक महीना ही हुआ है। उन्होंने कहा कि एक महीने पुरानी सरकार से योजनाओं को इतनी जल्दी लागू करने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। सीएम ने कहा, नया वित्त वर्ष 1 अप्रैल को शुरू होता है। हमारी सरकार ने बस अभी बजट पेश किया है। यह एक बहुत बड़ा काम था। हमें ओपनिंग बैलेंस का आकलन करना है और यह देखना है कि वित्तीय स्थिरता के साथ कितने लाभार्थियों को मदद दे सकते हैं। हम इस योजना को फंड देने के लिए वेतन देना नहीं रोक सकते हैं। हमें दोनों प्राथमिकताओं में बैलेंस रखना होगा। पिछली सरकार ने अस्पतालों के प्रॉजेक्ट अधूरे छोड़ दिए। स्कूल और कॉलेज बनाने में विफल रही और दिल्ली के 12 सरकारी कॉलेज में वेतन नहीं दे सकी। सीएम ने कहा, हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि वेतन दिए जाएं, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास हो और सभी सेक्टर में शासन प्रभावशाली हो।

तेलंगाना में 400 एकड़ में फैले कांचा गचीबावली जंगल को काटने पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान, प्रोटेस्ट पर उतरे हैं छात्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्वोच्च न्यायालय ने हैदराबाद विश्वविद्यालय के पास कांचा गाचीबोवली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई का स्वतः संज्ञान लिया और तेलंगाना के मुख्य सचिव को सरकार की कार्रवाई के लिए व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह बनाया। गहरी चिंता व्यक्त करते हुए, न्यायालय ने मौजूदा पेड़ों की सुरक्षा को छोड़कर, क्षेत्र में सभी गतिविधियों को रोक दिया और चेतावनी दी कि अनुपालन न करने पर सख्त परिणाम भुगतने होंगे।

तेलंगाना उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार (न्यायिक) द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में व्यापक वनों की कटाई दिखाई गई। सर्वोच्च न्यायालय ने निष्कर्षों की समीक्षा करने के बाद, पेड़ों को हटाने

के पीछे की जल्दबाजी पर सवाल उठाया और राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगा कि क्या उचित पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त की गई थी। अदालत ने विशेष रूप से इस बात पर जवाब मांगा कि क्या पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) प्रमाण पत्र जारी किया गया था और क्या इतने बड़े पैमाने पर विनाश करने से पहले वन अधिकारियों से अपेक्षित अनुमति ली गई थी।

अदालत ने पूछा इन गतिविधियों को शुरू करने की क्या मजबूरी थी? इस बात पर जोर देते हुए कि क्षेत्र में मोर और अन्य वन्यजीवों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि यह एक वनाच्छादित आवास है। अदालत में पेश किए गए फोटोग्राफिक साक्ष्यों से पता चला कि लगभग 100 एकड़ में भारी मशीनरी तैनात करके जमीन के बड़े हिस्से को साफ कर दिया गया। अदालत का निर्देश स्पष्ट था- अगले आदेश तक, क्षेत्र में सभी गतिविधियाँ बंद होनी चाहिए, और इसका पालन न करने पर मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाएगा।

24 घंटे में दूसरी बार पाकिस्तान ने किया सीजफायर का उल्लंघन, एलओसी पर 20 मिनट तक चली गोलियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, जो तीन दिनों में इस तरह की दूसरी घटना है। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा बिना उकसावे के की गई गोलीबारी का भारतीय सेना ने कड़ा जवाब दिया। यह तीन दिनों में पाकिस्तान द्वारा किया गया दूसरा संघर्ष विराम उल्लंघन है। मंगलवार को, पाकिस्तान ने पुंछ में नियंत्रण रेखा पर बारूदी सुरंग विस्फोट के बाद एक और संघर्ष विराम उल्लंघन किया। पाकिस्तानी सेना ने कथित तौर पर उन्हें कवर फायर प्रदान करते हुए सीमा पार घुसपैठियों को धकेलने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने तेजी से जवाब दिया, जिससे खतरा खत्म हो गया। सूत्रों से पता चला है कि गोलीबारी का उद्देश्य भारतीय क्षेत्र में घुसपैठियों को घुसाना था। खुफिया जानकारी से पता चला है कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने के लिए एलओसी के पार आतंकवादी बॉर्डर एक्शन टीम (BAT) भेजने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, भारतीय सैनिकों की सतर्कता ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, भारत की जवाबी कार्रवाई में चार से पांच पाकिस्तानी सैन्यकर्मी मारे गए। 1 अप्रैल को संघर्ष विराम उल्लंघन के बाद, घायल पाकिस्तानी सैनिकों की तस्वीरें सामने आईं, जो भारत की प्रतिक्रिया के प्रभाव की पुष्टि करती हैं। इसके अलावा, पाकिस्तानी सेना के जवानों के अंतिम संस्कार की तस्वीरें भी सामने आई हैं, जो इस बात का संकेत देती हैं कि उनकी तरफ से भी हताहत हुए हैं। एक पाकिस्तानी समाचार पोर्टल ने भारत के जवाबी हमले में मारे गए कर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए सैनिकों की फुटेज प्रसारित की, जो इस रिपोर्ट की पुष्टि करती है कि 1 अप्रैल के हमले में कई पाकिस्तानी सेना के जवान मारे गए थे।

अजित पवार के पावर पर लगाम, अब शिंदे की नजर से गुजरेगी हर एक फाइल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम आने और भाजपा की सरकार बनने के बाद भी यहां सियासी नाराजगी दूर नहीं हो पाई है। लेकिन अब राजनैतिक खींचातानी कम होती दिखाई दे रही है। पूर्व सीएम एकनाथ शिंदे से मुख्यमंत्री पद की कुर्सी गई तो वह होम मिनिस्टर बनना चाहते थे, लेकिन वह भी नहीं मिला तो कुछ मंत्रालय लेकर डिप्टी सीएम बन गए। इसके बाद भी उनकी नाराजगी बनी ही रही। कभी प्रभारी मंत्रियों को लेकर तो कभी मंत्रालयों के फैसलों को लेकर वह खफा दिखते थे। एक मलाल यह भी रहा कि अजित पवार को उनसे ज्यादा तवज्जो दी जा रही है, लेकिन अब देवेंद्र फडणवीस सरकार में उनका कद बढ़ा दिया गया है। अब महाराष्ट्र सरकार के कामकाज की कोई भी फाइल उनसे होकर ही सीएम देवेंद्र फडणवीस तक जाएगी। नई सरकार के गठन के बाद से अजित पवार के पास फाइल जाती थी क्योंकि वह वित्त मंत्री थे और फिर सीएम फडणवीस उसे देखते थे।

महाराष्ट्र की चीफ सेक्रेटरी सुजाता सौनिक की ओर से आदेश जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि कोई भी फाइल पहले वित्त मंत्री (डिप्टी सीएम अजित पवार) के पास जाएगी और फिर उन्हें शहरी विकास और हाउसिंग मिनिस्टर (डिप्टी सीएम

एकनाथ शिंदे) के पास भेजा जाएगा। अंत में सभी फाइलें सीएम देवेंद्र फडणवीस के पास जाएंगी। इस तरह एकनाथ शिंदे के कद का पूरा ख्याल रखा गया है और वह एक तरह से अजित पवार से सीनियर होंगे। शिवसेना के नेताओं की लगातार यह शिकायत थी कि उनके लीडर एकनाथ शिंदे को सरकारी कामकाज उतना महत्व नहीं मिल रहा है, जितना उनका कद है और पार्टी की ताकत है। ऐसे में अब शिवसैनिकों के गुस्से को भी कंट्रोल किया जा सकेगा। स्थानीय निकाय के चुनावों से पहले यह फैसला अहम है। अब नई व्यवस्था आ गई है, जिसके तहत पहले फाइल अजित पवार पर ही जाएगी। फिर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के पास फाइलें आएंगी और उनके पास करने के बाद ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पास पहुंचेंगी। इससे पहले जब एकनाथ शिंदे ही सीएम थे तो यह व्यवस्था थी कि पहले अजित पवार के पास फाइल पहुंचती थी और फिर देवेंद्र फडणवीस के पास से होते हुए मुख्यमंत्री तक पहुंचती थी। अब एक बार फिर से वैसी ही व्यवस्था है, बस क्रम बदल गया। अब फडणवीस सीएम हैं और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे हैं, लेकिन अजित पवार से शिवसेना लीडर का कद बड़ा कर दिया गया है।

वक्फ बिल के पास होने पर योगी की दो टूक चेतावनी, अब प्रदेश में माफियागीरी नहीं चलेगी

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रृंगवेरपुर धाम पहुंचे और उन्होंने प्रभु श्रीराम और निषादराज की मित्रता का स्मरण दिलाया। इस दौरान महाकुंभ की सफलता और प्रयागराज को मिली वैश्विक पहचान के लिए प्रयागराजवासियों को श्रेय दिया।

इस दौरान विरोधियों पर निशाना साधते हुए योगी ने कहा कि पिछली सरकारें नहीं चाहती थीं कि पौराणिक शहर को पहचान मिले। उनके लिए अपना वोट बैंक है, निषादराज की पौराणिक भूमि पर भी कब्जे की साजिश। जब हम महाकुंभ का आयोजन करने जा रहे थे, तब कुंभ की भूमि को भी वक्फ की भूमि बता दिया? भू माफिया प्रदेश में नहीं रह सकते। अब प्रदेश में माफियागीरी नहीं चलेगी। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए योगी ने कहा कि हम पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह के प्रति आभारी हैं। वक्फ संशोधन विधेयक

लोकसभा में पारित हो गया, आज राज्यसभा में पारित होगा। इस मौके पर योगी ने 579 करोड़ की 181 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इसके साथ ही वह विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक तथा प्रशस्ति पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि आज यहां पर निषादराज परंपरा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए 580 करोड़ की योजना की सौगात देने आया हूं। प्रयागराज का मतलब महामिलन स्थल। गंगा-यमुना और सरस्वती का संगम। यहां निषादराज और भगवान राम के मिलन का भी संगम भी हुआ।

महाकुंभ ने बहुत कुछ दे दिया

सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ ने बहुत कुछ दे दिया प्रदेश, देश और सनातन धर्मावलिबंयों को। इतना बड़ा आयोजन रामभक्त ही कर सकते हैं। इसके लिए राष्ट्रनिष्ठा चाहिए। जिनके मन में राष्ट्र के प्रति समर्पण नहीं, वह इतना बड़ा आयोजन नहीं कर सकता।

एमएसपी पर राज्य सरकारों की सिफारिशों को क्यों दरकिनार कर रहा केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। अलग-अलग सूबों में फसल उत्पादन की अलग लागत आने के बावजूद केंद्र देश भर के लिए एक ही न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी तय करती है। हालांकि, कोई भी राज्य एमएसपी के ऊपर जरूरत के हिसाब से बोनस दे सकता है, लेकिन केंद्र इस तरह की किसी भी कोशिश को ठीक नहीं मानती। बहरहाल, मुद्दा यह है कि केंद्र सरकार एमएसपी एक ही तय करती है लेकिन क्या राज्य सरकारें इसके लिए अपनी ओर से कोई प्रस्ताव भेजती हैं? हां बिल्कुल ऐसा ही है। अब सवाल यह आता है किस किस राज्य ने धान, गेहूं जैसी प्रमुख फसलों के लिए केंद्र को कितनी एमएसपी का प्रस्ताव दिया है।

केंद्र ने खरीफ मार्केटिंग सीजन 2024-25 के लिए धान की एमएसपी 2300 रुपये क्विंटल तय की थी। जबकि उस साल के लिए महाराष्ट्र ने धान की एमएसपी 4661 रुपये प्रति क्विंटल मांगी थी। केरल ने 3690 रुपये और कर्नाटक सरकार ने 3426 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी की मांग की थी। उत्तर प्रदेश ने 3000 और बिहार सरकार ने 3201 रुपये की मांग की थी। तेलंगाना ने 5428 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी मांगी थी। राज्य सरकारों ने केंद्र से अपने सूबे के लिए चाहे जितनी भी एमएसपी का प्रस्ताव दिया हो, लेकिन केंद्र ने प्रस्ताव को ठंडे बस्ते में डाल दिया। केंद्र ने देश में धान की संपूर्ण लागत महज 2008 रुपये प्रति क्विंटल मानी। ताज्जुब यह है कि सी-2 कॉस्ट बताने के बावजूद केंद्र सरकार ने इस बात को माना नहीं। केंद्र सरकार ने ए2+एफएल फार्मूले के आधार पर धान की उत्पादन लागत को प्रति क्विंटल 1533 रुपये बताया और उस पर न्यूनतम 50 फीसदी मुनाफा जोड़कर 2300 रुपये एमएसपी तय कर दी।

वहीं गुजरात सरकार ने केंद्र को पत्र लिखकर एक अप्रैल 2025 से शुरू हुए रबी मार्केटिंग सीजन 2025-26 के लिए गेहूं की एमएसपी 4050 रुपये प्रति क्विंटल तय करने की मांग उठाई थी। पश्चिम बंगाल ने 3350 और महाराष्ट्र ने गेहूं की एमएसपी भी 4461 रुपये मांगी। जबकि केंद्र ने एमएसपी 2425 रुपये तय की है। यानी इन सूबों की मांग के मुकाबले एमएसपी बहुत कम है। राज्यों से आए प्रस्तावों को दरकिनार कर केंद्र ने एक औसत निकलकर यह बताया कि गेहूं की संपूर्ण लागत 1720 रुपये प्रति क्विंटल आई है। हालांकि सरकार ने सी-2 कॉस्ट के आधार पर एमएसपी तय नहीं किया। केंद्र सरकार ने गेहूं की ए2+एफएल फार्मूले के आधार पर उत्पादन लागत 1182 रुपये ही मानी। इस पर 105 फीसदी का मुनाफा देकर पूरे देश के लिए 2425 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी तय कर दी।

कृषि लागत एवं मूल्य आयोग के अनुसार रबी मार्केटिंग सीजन 2025-26 के दौरान गेहूं की एमएसपी के लिए आठ

राज्यों ने सिफारिश दी है, लेकिन चार सूबों ने कोई प्रस्ताव नहीं दिया। इसमें गेहूं का सबसे बड़ा उत्पादक उत्तर प्रदेश भी शामिल है। इसके अलावा राजस्थान, हरियाणा और छत्तीसगढ़ से भी गेहूं की एमएसपी को लेकर केंद्र सरकार को कोई प्रस्ताव या सुझाव नहीं दिया है।

सेहत के लिए बेहद लाभदायक है नींबू पानी

नींबू पानी को अगर देशी कोल्ड्रिंक कहा जाए, तो इसमें कुछ गलत नहीं होगा। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर यह पेय सेहत और सौंदर्य से जुड़े इतने फायदे देता है, जितने आप सोच भी नहीं सकते। जानिए नींबू पानी के कुछ ऐसे ही फायदे जो आपकी सेहत के लिए बेहद लाभदायक हैं -

नींबू विटामिन सी का बेहतर स्त्रोत है। साथ ही, इसमें विभिन्न विटामिन्स जैसे थियामिन, रिबोफ्लोविन, नियासिन, विटामिन बी- 6, फोलेट और विटामिन-ई की थोड़ी मात्रा मौजूद रहती है। यह खराब गले, कब्ज, किडनी और मसूड़ों की समस्याओं में राहत पहुंचाता है। साथ ही ब्लड प्रेशर और तनाव को कम करता है। त्वचा को स्वस्थ बनाने के साथ ही लिवर के लिए भी यह बेहतर होता है। पाचन क्रिया, वजन संतुलित करने और कई तरह के कैंसर से बचाव करने में नींबू पानी मददगार होता है। नींबू पानी में कई तरह के मिनरल्स जैसे आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक पाए जाते हैं।

किडनी स्टोन

नींबू पानी का स्वास्थ्य पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण फायदा है, इसका किडनी स्टोन से राहत पहुंचाना। मुख्यरूप से किडनी स्टोन शरीर से बिना किसी परेशानी के निकल जाता है, लेकिन कुछ मामलों में यह यूरीन के बहाव को ब्लॉक कर देते हैं जो अत्यधिक पीड़ा का कारण बनता है। नींबू पानी पीने से शरीर को रिहाइड्रेट होने में मदद मिलती है और यह यूरीन को पतला रखने में मदद करता है। साथ ही यह किडनी स्टोन बनने के किसी भी तरह के खतरे को कम करता है।

डायबिटीज

नींबू पानी, हाई शुगर वाले जूस व ड्रिंक का बेहतर विकल्प माना जाता है। खासतौर से उनके लिए जो डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं। यह शुगर को गंभीर स्तर तक पहुंचाए बिना शरीर को रिहाइड्रेट व एनर्जाइज करता है।

पाचनक्रिया में फायदेमंद

नींबू पानी में मौजूद नींबू का रस हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पित्त सिक्रेशन के प्रोडक्शन में वृद्धि करता है, जो पाचन के लिए आवश्यक है। साथ ही यह एसिडिटी और गठिया के खतरे को भी कम करता है। जो लोग आमतौर पर पाचन-संबंधी समस्याओं जैसे एबडॉमिनल क्रैम्प्स, ब्लॉटिंग, जलन और गैस की समस्या आदि से परेशान होते हैं, उन्हें नियमित रूप से नींबू पानी का सेवन करना चाहिए।

कब्ज

अगर आपको कब्ज की समस्या है, तो नींबू पानी आपके लिए बेहद फायदेमंद है। प्रतिदिन सुबह गर्म नींबू पानी पिएं और पूरे दिन कब्ज की समस्या से दूर रहें।

इम्यून सिस्टम

नींबू पानी बायोफ्लेवोनॉयड, विटामिन सी और फाइटोन्यूट्रियंट्स का बेहतर स्रेत है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की शक्ति बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स के कारण यह शरीर के एनर्जी लेवल को बढ़ाने में मदद करता है।

खराब गला

नींबू पानी को गुनगुना करके पीने से गले की खराबी या फैरिन्जाइटिस में आराम पहुंचाता है।

वजन

हर सुबह शहद के साथ गुनगुना नींबू पानी पीने से अतिरिक्त वजन आसानी से कम किया जा सकता है।

मसूड़ों की समस्या

नींबू पानी पीने से मसूड़ों से संबंधित समस्याओं से राहत मिलती है। नींबू पानी में एक चुटकी नमक मिलाकर पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

कैसे पहचानें कि इम्यून सिस्टम है कमजोर

इम्यून सिस्टम के मजबूत होने पर हम बीमारियों से लड़ सकते हैं। यदि हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत है तो बीमारी हम पर हावी नहीं हो सकती। अगर हमारी इम्यूनिटी मजबूत है तो यह हमें न सिर्फ सर्दी और खांसी से बचाती है बल्कि हैपेटाइटिस, लंग इंफेक्शन, किडनी इंफेक्शन सहित और कई बीमारियों से हमारा बचाव होता है। लेकिन हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर है तो हम इसको कैसे पहचान सकते हैं, क्योंकि कई बार यह होता है इम्यून सिस्टम कमजोर तो होता है, पर हम इसे समझ ही नहीं पाते। आखिर कैसे पहचान करें कि आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है, आइए जानते हैं।

अगर आपको लगता है कि आप बार-बार बीमार हो रहे हैं और जुकाम की शिकायत रहती है। बार-बार सर्दी हो जाना और यदि आपके आस-पास ऐसा कोई व्यक्ति है जिसे खांसी है और आपको भी इससे जल्दी खांसी या सर्दी हो जाती है तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। बदलते मौसम का आपको बीमार करना आपके कमजोर इम्यून सिस्टम को दर्शाता है। यदि आप मौसम के बदलने पर बीमार हो रहे हैं तो आपका इम्यून सिस्टम कमजोर है। व्यायाम करते समय सांसों का फूलना व जल्दी थक जाना यह कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। नींद न आना, आंखों के नीचे काले घेरे, थकान महसूस होना- यह भी कमजोर इम्यून सिस्टम की निशानी है। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की अपेक्षा बार-बार बीमार होते हैं, जुकाम की शिकायत रहती है, खांसी, गला खराब होना या स्किन रैशेज जैसी समस्याएं रहती हैं तो बहुत पॉसिबल है कि यह आपके इम्यून सिस्टम की वजह से हो। कैंडिडा टेस्ट का पॉजिटिव होना, बार-बार यूटीआई, डायरिया, मसूड़ों में सूजन, मुंह में छाले वगैरह भी खराब इम्यूनिटी के लक्षण हैं।

आयुर्वेद के अनुसार तेज भूख लगने पर कभी खाली पेट न खाएं ये चीजें

कभी-कभी ऐसा होता है कि हमें बहुत तेज भूख लग जाती है और हम उस वक्त हमें जो भी उपलब्ध होता है, वो खाने लग जाते हैं लेकिन ऐसा करना आपके लिए घातक हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक तेज भूख लगने पर कुछ ऐसी चीजें है, जिन्हें नहीं खाना चाहिए।आइए, जानते हैं कौन-सी हैं वो चीजें-

अमरुद

अमरुद एक ऐसा फल है, जिसे अलग-अलग स्थितियों में खाने पर अलग-अलग परिणाम देखने को मिलते हैं यानी अगर आप सर्दियों में सुबह के वक्त खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो आपको पेट दर्द की शिकायत हो सकती है। वहीं, गर्मी में खाली पेट अमरुद खाएंगे, तो यह फायदा देता है। ऐसे में आपको खाली पेट अमरूद नहीं खाना चाहिए।

सेब

सर्दियों में खाली पेट सेब खाने से बीपी बढ़ सकता है, अगर सुबह सबसे पहले यानी बिना कुछ खाए आप सेब खा लेते हैं, तो इस दिक्कत का सामना आपको करना पड़ सकता है लेकिन गर्मी में आप खाली पेट सेब खा सकते हैं।

टमाटर

टमाटर की तासीर गर्म होती है। इसे आप सर्दी के मौसम में तो खाली पेट खा सकते हैं लेकिन गर्मी के मौसम में ऐसा करने पर पेट में या सीने में जलन की समस्या हो सकती है। आपको सुबह के समय टमाटर खाने से परहेज करना चाहिए।

चाय-कॉफी

चाय या कॉफी को खाली पेट पीने से बचना चाहिए।आप चाय या कॉफी को बिस्किट, ब्रेड के साथ ले सकते हैं लेकिन खाली पेट या तेज भूख लगने पर सिर्फ चाय-कॉफी न लें, इससे आपके पेट में गैस बन सकती है।

दही

बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें दही फायदे की जगह पर हानि पहुंचा देती है।ऐसे में दही को सुबह के समय खाली पेट खाने से बचना चाहिए, वर्ना आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

अमृत है आंवला 10 बेहतरीन फायदे

विटामिन-सी से भरपूर आंवला, हर मौसम में लाभदायक होता है। यह आंखों, बालों और त्वचा के लिए तो फायदेमंद है ही, साथ ही इसके और भी कई फायदे हैं, जो आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आमतौर पर आंवले का प्रयोग अचार, मुरब्बा या चटनी के रूप में किया जाता है,लेकिन इसका अलग-अलग तरह से सेवन आपके लिए बेहद उपयोगी है। अगर आप नहीं जानते इस अनमोल फल के बारे में तो जरूर पढ़िए -

- डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत काम की चीज है। पीड़ित व्यक्ति अगर आंवले के रस का प्रतिदिन शहद के साथ सेवन करे तो बीमारी से राहत मिलती है।
- एसिडिटी की समस्या होने पर आंवला बेहद फायदेमंद होता है। आंवला का पाउडर, चीनी के साथ मिलाकर खाने या पानी में डालकर पीने से एसिडिटी से राहत मिलती है। इसके अलावा आंवले का जूस पीने से पेट की सारी समस्याओं से निजात मिलती है।
- पथरी की समस्या में भी आंवला कारगर उपाय साबित होता है। पथरी होने पर 40 दिन तक आंवले को सुखाकर उसका पाउडर बना लें, और उस पाउडर को प्रतिदिन मूली के रस में मिलाकर खाएं। इस प्रयोग से कुछ ही दिनों में पथरी गल जाएगी।
- रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, प्रतिदिन आंवले के रस का सेवन करना काफी लाभप्रद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है, और खून की कमी नहीं होने देता।
- आंखों के लिए आंवला अमृत समान है, यह आंखों की रौशनी को बढ़ाने में सहायक होता है। इसके लिए रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।
- बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवल सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने की पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।
- याददाश्त बढ़ाने में आंवला काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।
- चेहरे के दाग-धब्बे हटाकर उसे खूबसूरत बनाने के लिए भी आंवला आपके लिए उपयोगी होता है। इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से त्वचा साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।
- बालों को काला, घना और चमकदार बनाने के लिए आंवले का प्रयोग होता है, इसके पाउडर से बाल धोने या फिर इसका सेवन करने से बालों की समस्याओं से निजात मिलती है

नाश्ते में इन पांच चीजों को खाने से तेजी से बढ़ता है वजन, ज्यादातर लोग करते हैं सेवन

फिटनेस पाने के लिए लोग क्या-क्या जतन करते हैं। कई सर्वे के अनुसार आप शरीर पर चर्बी होने के कारण कई बीमारियों का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में आपको बैली फैट कम करने के साथ फिट रहने की कोशिश करनी चाहिए। खुद को फिट रखने में ब्रेकफॉस्ट का भी अहम रोल होता है, ऐसे में आपको अगर हमेशा स्लिम ट्रिम रहना है, तो ऐसी 5 चीजें हैं, जो आपको नाश्ते में बिल्कुल नहीं खानी चाहिए-

वाइट ब्रेड - ब्रेड ज्यादातर भारतीय घरों में खाई जाती है लेकिन आपको बता दें कि ब्रेड का ज्यादा सेवन करना न सिर्फ आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे आपका वजन भी बढ़ता है। ऐसे में कोशिश करें कि वाइट की जगह ब्राउन ब्रेड का सेवन करें।

प्रोसेस्ड फूड - ऐसे खाद्य पदार्थों को कई बार पकने की क्रिया से गुजरना पड़ता है। साथ ही तेल, मसाले, घी होने की वजह से ये सेहत के लिए भी अच्छे नहीं होते। आपको चिप्स, पॉपकॉर्न, ड्राई फ्रूट्स, स्नैक्स आदि से दूर रहना चाहिए।

केक, कुकीज - केक और कुकीज में मैदे के अलावा घी और क्रीम का इस्तेमाल होता है, जो आपकी फिटनेस के हिसाब से बिल्कुल भी सही नहीं है इसलिए आपको नाश्ते में इन चीजों को नहीं खाना चाहिए।

नूडल्स - नूडल्स खाने में तो बहुत अच्छे लगते हैं लेकिन इसे हेल्दी ब्रेकफॉस्ट नहीं माना जा सकता है, इसी वजह से आपको नूडल्स नाश्ते में बिल्कुल नहीं खाने चाहिए।

फ्रूट जूस - आपको कोशिश करनी चाहिए कि मार्केट में उपलब्ध फ्रूट जूस बिल्कुल न पिएं बल्कि आप घर में ही फलों का जूस निकालकर पी सकते हैं। आपके पास अगर जूस की जगह फल खाने का समय है, तो नाश्ते के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा।

पकौड़े-कचौड़ी - सुबह-सुबह तली चीजें खाना बिल्कुल भी सही नहीं है। आप पकौड़े और कचौड़ी जैसी तली हुई चीजें सुबह नहीं खाएंगे, तो आपकी सेहत के लिए अच्छा रहेगा।

आंखों को थकान से राहत देगा गुलाब जल, कम होगा तनाव

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल न केवल आपके पूरे स्वास्थ्य पर असर डालता है बल्कि इसका असर आपकी नाजुक आंखों पर भी पड़ता है।

वर्क के दौरान लैपटाप का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं इसी के साथ ही मोबाइल के संपर्क में भी हम ज्यादा रह रहे हैं जिससे आंखों में जलन, धुंधला दिखना व खुजली जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों की देखभाल करें और जब भी आंखों पर दबाव महसूस करें तो स्क्रीन से दूर हो जाएं और बीच-बीच में आंखों को ठंडे पानी से भी धोते रहें। आंखों की जलन की परेशानी ज्यादा बढ़ जाती है। भले ही इस वक्त आप घर पर हैं लेकिन आंखों में जलन आप महसूस करते होंगे। इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए आपको अपनी आंखों की सही देखभाल की जरूरत है, वहीं गुलाब जल का इस्तेमाल आपको आंखों की समस्या से निजात दिला सकता है। गुलाब जल के इस्तेमाल से आंखों को ठंडक मिलती है, साथ ही ताजगी महसूस होती है। ओवरटाइम काम करने के दौरान आंखों में तनाव महसूस होता है इसके लिए खुद को रिलेक्स करना बहुत जरूरी है। इसके लिए आप कॉटन में गुलाब जल डालें और इसे अपनी आंखों पर रखकर कुछ देर के लिए आंखों को आराम दें। गुलाब जल को आंखों में डालने से भी तुरंत राहत मिलती है, साथ ही फ्रेश महसूस होता है। अत : अपने आंखों का ध्यान रखें और समय-समय पर अपनी पलकों को झपकाते रहें।

क्या किसी नए किरदार की तैयारी कर रही हैं राशि खन्ना

राशि खन्ना इन दिनों अपने सोशल मीडिया पोस्ट से फैंस की जिज्ञासा बढ़ा रही हैं। हाल ही में उन्होंने सेट से एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह मज़ेदार अंदाज़ में खाना बनाते हुए पंजाबी सीखती नजर आईं। अभिनेत्री ने हाल ही में एक स्वादिष्ट और सेहतमंद दाल चिल्ला बनाते हुए अपना एक वीडियो साझा किया, लेकिन सिर्फ़ खाना पकाने की वजह से ही सभी का ध्यान नहीं गया—बल्कि पंजाबी बोलने की उनकी सहज आदत ने भी सबका ध्यान खींचा!

जिस चीज़ ने उनके फ़ॉलोअर्स को सबसे ज़्यादा आकर्षित किया, वह थी उनकी मज़ेदार पंजाबी कमेंट्री-सत श्री अकाल! आज मेरे शॉट नू टाइम लाग रेहा ऐ, ते मैं आज दाल चिल्ला बना लवा। ऐ हैगा ऐ साडा स्वीट सा किचन ऑन सेट! तुआनू मैं रेसिपी दसदा, तुसी भी ट्राई करो! इस पोस्ट के बाद फैंस में उत्सुकता बढ़ गई और कई लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया कि क्या राशि खन्ना किसी पंजाबी प्रोजेक्ट में नज़र आने वाली हैं?

आखिरकार, वह तेलुगु, तमिल, हिंदी फिल्मों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखा चुकी हैं, तो अब पंजाबी इंडस्ट्री में कदम रखना कोई हैरानी की बात नहीं होगी। इन्हीं अटकलों को और हवा देते हुए, राशि को हाल ही में एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस के बाहर स्पॉट किया गया, जिससे उनके किसी नए और रोमांचक प्रोजेक्ट का अंदाजा लगाया जा रहा है। 'द साबरमती रिपोर्ट' की सफलता और उसमें एक पत्रकार की उनकी दमदार भूमिका के बाद, फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि वह अगला कौन-सा चैलेंज लेने वाली हैं। हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इतना जरूर तय है कि राशि खन्ना अपनी एनर्जी, डेडिकेशन और नए अनुभवों के लिए जुनून के साथ हमेशा फैंस को चौंकाती रहती हैं। फिर चाहे कोई नई भाषा सीखना हो या सेट पर कुछ खास पकाना, वह कभी भी अपने प्रशंसकों को सरप्राइज देने से पीछे नहीं हटतीं!

जाट में सनी देओल संग नजर आएंगी उर्वशी रौतेला

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला 12 साल बाद अभिनेता सनी देओल संग काम कर रही हैं। रौतेला जल्द ही 'जाट' के गाने 'टच किया' में नजर आएंगी। अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर अभिनेत्री काफी उत्साहित हैं। उर्वशी ने कहा, 12 साल बाद सनी देओल सर के साथ काम करना शानदार है और इसके लिए मैं खुद को लकी मानती हूं। वह बेहतरीन एक्शन हीरो हैं और मैं 'जाट' में उनके साथ काम करने के लिए रोमांचित हूं। उर्वशी रौतेला साल 2013 में आई फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' में सनी देओल के साथ काम कर चुकी हैं। उन्होंने कहा, जब मैं 19 साल की थी, तब उन्होंने मुझे 2013 की हिट फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' में काम दिया था, जो मेरी पहली मुख्य भूमिका वाली फिल्म थी। हम अपकमिंग फिल्म के लिए फिर से साथ हैं। उर्वशी ने कहा, 'सिंह साहब' तो बस शुरुआत थी। 'जाट' एक अलग लेवल पर होगी। 1 अप्रैल को दर्शकों के सामने कुछ खास आने वाला है! उनके साथ 12 साल बाद पर्दे पर वापसी को लेकर मैं उत्साहित हूं। मैत्री मूवी मेकर्स ने रविवार को गाने का स्टिल पोस्टर जारी किया, जिसमें उर्वशी की एक झलक भर दिखी। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लिखा, बड़े पैमाने पर जाट के ट्रेलर को लॉन्च करने के बाद अब फिल्म से एक धमाकेदार गाने का समय आ गया है। 'जाट' का पहला गाना 'टच किया' 1 अप्रैल को जारी होगा। उर्वशी रौतेला की फिल्म 'सिंह साहब द ग्रेट' सिंह साहब (सनी देओल) की कहानी है, जो जिम्मेदार के साथ ही ईमानदार इंसान है और रिश्तों को निभाने में विश्वास रखता है, लेकिन भूदेव (फिल्म में खलनायक) एक चालाक आदमी है और वह उसके खिलाफ साजिश रचता है। ऐसे में सनी देओल भूदेव को सबक सिखाने के लिए आगे आता है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी रौतेला हाल ही में बॉबी कोली के निर्देशन में बनी फिल्म 'डाकू महाराज' में नजर आई थीं। फिल्म में उर्वशी रौतेला के साथ अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण, श्रद्धा श्रीनाथ, बॉबी देओल, प्रज्ञा जायसवाल, सचिन खेडेकर, मकरंद देशपांडे, आदुकलम नरेन, नितिन मेहता, रवि किशन, वीटीवी गणेश, ऋषि और चांदनी चौधरी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं, 'जाट' का निर्देशन गोपीचंद मलिनेनी ने किया है। सनी देओल के साथ रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसंड्रा भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री ने मिलकर किया है, जो 10 अप्रैल को हिंदी के साथ तमिल और तेलुगू में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ईशा देओल ने जताई इस फिल्म के री-रिलीज की इच्छा

हाल ही में तुमको मेरी कसम फिल्म रिलीज से ईशा देओल ने बड़े पर्दे पर वापसी की। अभिनेत्री से फिल्मों के री रिलीज को लेकर सवाल किया गया। इसके जवाब में अभिनेत्री ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह धूम को री-रिलीज के लिए चुनेंगी। उन्होंने बताया कि धूम एक शानदार फिल्म थी, जिसने सबके जहन में एक अलग जगह बनाई थी।

बात करें धूम की तो इसमें ईशा देओल के अलावा जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा ने शानदार भूमिका निभाई थी। इसके अलावा ईशा ने कहा कि ना तुम जानो ना हम भी दोबारा वापस आए, जो एक बहुत प्यारी प्रेम कहानी पर आधारित थी। अगर ईशा देओल के काम की बात करें तो वह इस समय 'तुमको मेरी कसम' में नजर आईं, जिसमें उन्होंने वकील का किरदार निभाया है। फिल्म का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया था। इससे पहले ईशा देओल 2015 में आई फिल्म 'किल देम यंग' में नजर आईं थीं।

इंडस्ट्री जिंदा है, आगे भी बढ़ेगी

बॉलीवुड में इन दिनों कंटेंट और एक्सपेरिमेंट्स को लेकर काफी बहस हो रही है। हाल ही में रिलीज हुई डिप्लोमैट के बाद एक्टर जॉन अब्राहम ने इस मुद्दे पर खुलकर बात की। उनका कहना है कि अच्छी फिल्में बन रही हैं, लेकिन इंडस्ट्री को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए और सपोर्ट और आजादी की जरूरत है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने बॉलीवुड के मौजूदा हालात और सोशल मीडिया पर बढ़ती नेगेटिविटी को लेकर अपनी राय रखी।

हम अच्छी फिल्में बना रहे हैं, लेकिन हमें आजादी भी चाहिए

बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में जॉन ने कहा, फिल्म इंडस्ट्री के लिए जो प्यार और अपनापन है, वही मुझे डराता भी है। मुझे बॉलीवुड की चिंता होती है। मैं ये नहीं कहूंगा कि सिर्फ मैं ही कुछ अलग करने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन हां, कुछ लोग हैं जो बदलाव लाना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं एक कमर्शियल हीरो हूं। आप मुझे एक बड़े सेटअप में डालिए, मैं अपना बेस्ट देने की पूरी कोशिश करूंगा। लेकिन जब हम कुछ नया करना चाहते हैं, तो हमें उसकी आजादी भी मिलनी चाहिए। हमें अपने आइडियाज को पूरा करने के लिए सपोर्ट और फंडिंग की जरूरत होती है। हर दिन कोई न कोई बॉलीवुड के खत्म होने की भविष्यवाणी करता है, लेकिन सच तो यह है कि हम लगातार अच्छी फिल्में बना रहे हैं और इंडस्ट्री आगे बढ़ रही है। फिल्म डिप्लोमैट की बात करें तो यह एक पॉलिटिकल थ्रिलर है, जिसमें जॉन अब्राहम ने एक इंटेंस किरदार निभाया है। बिना ज्यादा प्रमोशन के भी इस फिल्म ने दर्शकों का ध्यान खींचा और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। जॉन की परफॉर्मेंस को भी सराहा गया।

जॉन अब्राहम की आने वाली फिल्म

जॉन अब्राहम जल्द ही तेहरान में नजर आएंगे। यह एक इंटेंस जियोपॉलिटिकल थ्रिलर होगी, जिसमें उनके साथ मानुषी छिल्लर भी होंगी। इस फिल्म को दिनेश विजान प्रोड्यूस कर रहे हैं।

क्या वाकई दिशा वकानी की जगह काजल पिसल निभाएंगी दया बेन की भूमिका?

टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा लंबे वक्त से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। इस शो का हर किरदार बेहद खास है और दर्शकों से सीधे तौर पर जुड़ा है। मगर, जेठालाल और दयाबेन की बात ही अलग है। दयाबेन का किरदार अभिनेत्री दिशा वकानी ने बड़ी ही खूबसूरती से अदा किया। साल 2017 में वे मैटरनिटी लीव पर चल गईं। तब से फैंस शो में उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, अब दिशा वापस नहीं आएंगी। शो के निर्माता असित मोदी भी इसकी पुष्टि कर चुके हैं। कहा जा रहा है कि मेकर्स को दिशा का रिप्लेसमेंट भी मिल गया है।

कयासों को बताया फेक न्यूज

कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि अभिनेत्री काजल पिसल अब तारक मेहता शो में दयाबेन की भूमिका करती दिखेंगी। इस तरह के कयासों पर खुद काजल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे दावों को फेक न्यूज बताया है। काजल ने स्पष्ट किया है कि वे तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दयाबेन की भूमिका नहीं अदा कर रही हैं। हालांकि, काजल ने यह भी कहा कि उन्होंने शो के लिए ऑडिशन दिया था। मैं झनक में काम कर रही हूं दावे किए जा रहे हैं कि काजल पिसल ने अब दिशा वकानी को रिप्लेस कर दिया है। उनकी तस्वीर भी वायरल हो रही है। इस बारे में जूम से बातचीत में काजल पिसल ने स्पष्ट किया कि ऐसी खबरें पूरी तरह झूठ हैं। साथ ही बताया कि तस्वीर पुरानी है। काजल ने कहा कि उनके पास इस खबर को लेकर कई कॉल और मैसेज आ रहे हैं, लेकिन इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है। काजल ने कहा, मैं पहले से ही झनक में काम कर रही हूं। ऐसे में यह खबर झूठ है। हां, मैंने दया बेन के लिए साल 2022 में ऑडिशन दिया था और वो फोटो अब वायरल हो रही है। अब मैं सिर्फ यही कहूंगी कि शो में मेरे काम करने की खबर फेक न्यूज है।

परिवार के साथ समय बिता रहीं दिशा

बता दें कि दिशा वकानी ने नवंबर 2015 में शादी रचाई। साल 2017 में वे मैटरनिटी लीव पर चली गईं। बीच-बीच में उनकी वापसी की खबरें आती रहीं, लेकिन दिशा ने शो में वापसी नहीं की। साल 2022 में उन्होंने अपने दूसरे बच्चे का स्वागत किया। अभिनेत्री ने कथित तौर पर अभिनय छोड़ने का फैसला किया है।

सुंदरता के चक्कर में गंवाए कई प्रोजेक्ट्स

करण वाही टेलीविजन के एक मशहूर अभिनेता हैं। वो कई धारावाहिक में नजर आ चुके हैं। हाल ही में करण वाही ने एक खुलासा करते हुए कहा कि ज्यादा सुंदर होने का भी कई बार नुकसान उठाना पड़ जाता है। अभिनेता ने कहा कि सुंदरता के चक्कर में बहुत प्रॉब्लम होती है। आखिर ऐसा क्या हुआ जो एक अभिनेता को इस तरह की बात कहनी पड़ी।

अगर मैं किसी शो में हूं, तो वहां वैल्यू भी ऐड करूंगा न

करण वाही हाल ही में कॉमेडियन भारती सिंह के पॉडकास्ट में पहुंचे थे। यहां उन्होंने अपने करियर और आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर बात की। इस दौरान करण ने अपने साथ हुए एक वाकये को भी बताया, जिसमें उन्हें सुंदर होने के चक्कर में नुकसान हो गया। अभिनेता ने कहा, मुझे मुख्य अभिनेता की तुलना में ज्यादा सुंदर होने के कारण कई प्रोजेक्ट्स से हाथ धोना पड़ा है। हालांकि, ये बात मुझे कभी सामने से नहीं बताई गई, बल्कि मुझे दूसरों से इसके बारे में पता चला। मुझे इसके पीछे की सोच कभी समझ में नहीं आती। अगर मैं किसी शो में लीड एक्टर हूं, तो भी मैं उसमें वैल्यू ऐड करूंगा न।

अगर मैं ऋतिक रोशन के साथ काम करता हूं, तो उनका एक स्टारडम है, लेकिन ऐसा नहीं है कि इस कारण उनके आगे मैं कोई वैल्यू ही ऐड नहीं करूंगा। सुंदरता की वजह से बहुत परेशानी होती है। कई प्रोजेक्ट्स में काम नहीं मिलता। क्योंकि उनका कहना होता है कि आप ये लग नहीं सकते हो, आप ऐसे दिख नहीं सकते हो।

कैसे करण बने बदसूरत लड़के

आगे अपने आगामी कामों को लेकर बात करते हुए करण ने बताया, मेरे पास दो प्रोजेक्ट्स अभी हैं। इनमें से एक बदसूरत दिखने वाले लड़के की कहानी है। इसके निर्देशक मेरे दोस्त हैं, जब वो फिल्म के लिए एक एक्टर ढूंढ रहे थे, तो मैंने उनसे कहा कि किसी और को ढूंढने की बजाय मुझे ही ले लो। तो उन्होंने मुझसे कहा कि पागल है क्या, बदसूरत दिखने वाला लड़का चाहिए है। तू कहां से वैसा लगता है। इसके बाद मैं डेंटिस्ट के पास गया डेंचर्स बनवाए और शेव की। फिर हमने शूट किया और ओटीटी प्लेटफॉर्म को दिखाया। उन्हें पता ही नहीं चला कि ये मैं हूं।

पुलकित सम्राट ने शुरू किया फिल्म 'राहु केतु' का शूट

अभिनेता पुलकित सम्राट ने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए अपनी नई फिल्म 'राहु केतु' की शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी है। यह फिल्म अभिनेता के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि इसके जरिए उन्हें दोबारा से अपने पसंदीदा को-एक्टर के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। अभिनेता पुलकित सम्राट ने रोमांटिक, कॉमेडी, ड्रामा सभी तरह की फिल्में की हैं। अब वह एक फिल्म 'राहु केतु' का भी हिस्सा बने हैं। इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में अभिनेता ने शुरू की है। इस फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी पुलकित ने साझा की हैं। इस फिल्म में उनके एक पसंदीदा को-एक्टर भी अभिनय कर रहे हैं। पुलकित सम्राट ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर 'राहु केतु' फिल्म की शूट शुरू होने की जानकारी दी है। साथ ही फिल्म के सेट से कई तस्वीरें भी साझा की हैं। इसमें उनके साथ कुछ नामी को-एक्टर भी नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ पुलकित ने कैप्शन में एक मैसेज भी लिखा है, 'कुछ इसे भाग्य कहते हैं, तो कुछ इसे राहु केतु का खेल कहते हैं और ये आपकी जिंदगी में भी जल्द ही प्रवेश करेंगे।' आगे वह लिखते हैं, ' फिल्म की शूटिंग शुरू हुई।' इस फिल्म को विपुल विग निर्देशित कर रहे हैं।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्रा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673